हिन्दी दैनिक

Log on : www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष –09 अंक–225 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ, बुद्धवार, 15 जुलाई 2020 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–8 | मूल्य 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मोदी ने प्रौद्योगिकी को लेकर सुंदर पिचाई से की बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की महारथी अल्फाबेट इंक एवं गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई से भारत में किसानों और युवाओं तथा उद्यमियों के जीवन में बदलाव के परिप्रेक्ष्य में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लेकर बातचीत की। मोदी ने पिचाई के साथ आज सुबह हुई बातचीत की जानकारी ट्विटर पर दी। मोदी ने लिखा, आज सुबह सुंदर पिचाई के साथ बेहद सार्थक वार्तालाप हुआ। हमने विभिन्न संदर्भों, विशेषकर किसानों, युवाओं और उद्यमियों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कैसे हो , इस पर बातचीत की।

राहुल ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर जताई चिंता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस सप्ताह यह आंकड़ा दस लाख के पार पहुंच जाएगा। गांधी ने ट्वीट किया, "इस हफ्ते हमारे देश में आँकड़ा १०,००,००० पार कर जाएगा। उन्होंने भारत, अमेरिका, दक्षिण कोरिया सहित कुछ देशों में कोरोना के मामलों को लेकर एक तुलनात्मक ग्राफ देते हुए सरकार से सवाल किया था'' क्या कोविड–१९ के खिलाफ लड़ाई में भारत अच्छी स्थिति में है?

महज भाजपा के हाथ में खेल रहे हैं पायलट : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज कहा कि बगावत करने वाले सचिन पायलट के हाथ में कुछ नहीं है और वे केवल भाजपा के हाथ में खेल रहे हैं। राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात करने के बाद गहलोत ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश के खेल को राजस्थान में भी दोहराना चाहती थी और 'यह सब' पिछले छह महीने से चल रहा था। गहलोत ने कहा कि पायलट व उनके साथ गए अन्य मंत्रियों, विधायकों को मौका दिया गया, लेकिन वे न तो कल और न ही आज कांग्रेस विधायक दल की बैठक में आए। गहलोत ने कहा, सचिन पायलट के हाथ में कुछ भी नहीं हैं। वह तो केवल भाजपा के हाथ में खेल रहे हैं जो रिसर्ट सहित बाकी सारे बंदोबस्त करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीने से राज्य में विधायकों की खरीद फरोख्त के प्रयास चल रहे थे। पायलट सहित तीन मंत्रियों को उनके पदों से हटाए जाने के फैसले की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने मजबूर होकर यह फैसला किया है।

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की २२५० करोड़ रुपए लागत की ०८ मार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास डिजिटल विधि से किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर लोक निर्माण विभाग की २२५० करोड़ रुपए लागत की ०८ मार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास डिजिटल विधि से किया। इनमें १,२४६ करोड़ रुपए से अधिक लागत की ०५ परियोजनाओं का लोकार्पण एवं लगभग १,००१ करोड़ रुपए लागत की ०३ परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि बेहतर सड़क विकास का कारक होती हैं और निवेश का आधार बनती है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश की २४ करोड़ जनता को जनभावनाओं के अनुरूप सड़क उपलब्ध कराने का कार्य किया है, वह सराहनीय है। वर्तमान सरकार ने आमजन को गड्ढा मुक्त सड़कें उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में उत्तर प्रदेश की पहचान गड्ढा युक्त सड़क हो गयी थी। प्रदेश सरकार ने सुशासन की व्यवस्था स्थापित की है, जिसका परिणाम है कि प्रत्येक जिला व तहसील मुख्यालयों को फोर–लेन से जोड़ा गया है। गांवों में बेहतर कनेक्टीविटी दी जा रही है, जिससे आम व्यक्ति का जीवन सुगम हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज पूरा विश्व वैश्विक महामारी कोविड–१९ से जूझ रहा है। लेकिन उत्तर प्रदेश इन परिस्थितियों में भी विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। वर्तमान सरकार सभी कार्यों को पूरी गुणवत्ता व निधारित समय पर पूरा करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा

कि प्रदेश सरकार बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था आदि सभी क्षेत्रों में अच्छे कार्य कर रही है। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज लोकार्पित एवं शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं से आम व्यक्ति का जीवन और सहज होगा। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सुरेश खन्ना, लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री संजय प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि जनपद सुल्तानपुर में हलियापुर–कुड़ेभार मार्ग, जनपद मुजफ्फर नगर/बागपत में मुजफ्फरनगर–बड़ौत मार्ग, जनपद अलीगढ़ में नानऊ– दादऊ मार्ग, जनपद बुलन्दशहर में बुलन्दशहर–अनूपशहर मार्ग तथा जनपद झांसी में हमीरपुर– राठ–गुरसराय–झांसी मार्ग का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही, जनपद एटा/कासगंज में अलीगंज–सोरो मार्ग, जनपद अमरोहा/सम्भल में बदायूं–बिलसी–बिजनौर मार्ग, जनपद शाहजहांपुर/लखीमपुर में गोला–शाहजहांपुर मार्ग का शिलान्यास शामिल है। यह सभी परियोजनाएं एशियन डेवलपमेण्ट बैंक एवं विश्व बैंक द्वारा सहायतित हैं। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत विश्व बैंक एवं एशियन डेवलपमेण्ट बैंक के वित्त पोषण से कतिपय राजमार्गों एवं प्रमुख जिला मार्गों का सुधार किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में कुल लागत की ७० प्रतिशत धनराशि विश्व बैंक एवं एशियन डेवलपमेण्ट बैंक से प्राप्त हो रही है। शेष ३० प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जा रही है। विश्व बैंक, भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के मध्य ११ अक्टूबर, २०१६ को ४०० मिलियन यू०एस० डॉलर (लगभग ३,००० करोड़ रुपए) के ऋण पर हस्ताक्षर किया गया है। इसमें विश्व बैंक द्वारा ३,००० करोड़ रुपए ऋण के रूप में उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रदेश सरकार द्वारा अपने संसाधनों से १,२७५ करोड़ रुपए (१७० मिलियन यू०एस० डॉलर) वहन किया जाएगा। विश्व बैंक सहायतित परियोजना के अंतर्गत ०४ राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इसमें से ०१ राजमार्ग का लोकार्पण किया जा रहा है। ०३ अन्य मार्ग वर्ष २०२१ में पूर्ण हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त ०६ अन्य राजमार्गों के डी०पी०आर० के गठन का कार्य प्रगति पर है। यह परियोजना वर्ष २०२५ में समाप्त होगी। एशियन विकास बैंक, भारत सरकार व प्रदेश सरकार के मध्य १७ जून, २०१७ को ३०० मिलियन यू०एस० डॉलर (लगभग २,२५० करोड़ रुपए) के ऋण पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत एशियन विकास बैंक द्वारा ३०० मिलियन यू०एस० डॉलर ऋण के रूप में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा १२८ मिलियन यू०एस० डॉलर (लगभग ६६० करोड़ रुपए) अपने संसाधनों से व्यय किया जा रहा है।

सचिन पायलट के साथ दो मंत्री कांग्रेस से निष्कासित

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस में चल रहे घमासान के बीच उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट

सहित खाद्यमंत्री रमेश मीणा एवं पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह को मंत्रिमंडल एवं पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने आज इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि पायलट को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। उनके स्थान पर शिक्षामंत्री गोविंद डोटासरा प्रदेशाध्यक्ष होंगे। सूत्रों ने बताया कि विधायक दल की कल और आज हुई बैठकों में श्री पायलट के अनुपस्थित रहने के बाद यह कार्रवाई की गयी है। पायलट को बैठक में आने के लिये लिखित रूप से संदेश भेजा गया था, साथ ही उन्हें मनाने का प्रयास भी किया गया, लेकिन वह नहीं माने। पायलट ने अपने पक्ष में ३० विधायक होने का दावा करत हुए गहलोत सरकार को अल्पमत में बताया था। उसके बाद गहलोत ने एक होटल में विधायक दल की बैठक से पहले मीडिया के समक्ष १०६ विधायक होने का दावा किया था।

प्रियंका के बंगले की बहस सोशल मीडिया पर छाई

नई दिल्ली। प्रियंका गांधी के बंगला को लेकर आज केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी के खुलासे के बाद यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। पुरी ने कांग्रेस और प्रियंका के दावे का खंडन करते हुए ट्वीट किया था, "तथ्य खुद अपनी गवाही देते हैं। एक बड़े कांग्रेसी नेता ने मुझे ४ जुलाई, २०२० को दोपहर १२.०५ बजे फोन किया कि ३५, लोधी एस्टेट को दूसरे कांग्रेस सांसद को आवंटित कर दिया जाए, ताकि प्रियंका वाड्रा वहां बनी रहें। कृपया हर चीज को सनसनीखेज न बनाएं। पुरी प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा किए गए उन दावों का जिक्र कर रहे थे, जिसमें कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया है, जिसे पुरी ने साफ नकार दिया है और खबर की सच्चाई पर सरकार ने भी मुहर लगा दी है। वहीं, सोशल मीडिया पर यह खबर चर्चा का विषय बन गया है। अमीश देवगन ने कहा, बंगले पर भौकाल अभी टाइट

है। जानी–मानी पत्रकार निधि राजदान ने कहा, वह प्रभावशाली कांग्रेस नेता कौन है जिसने प्रियंका गांधी के लिए अनुरोध किया था। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने नाम का खुलासा नहीं किया है। प्रमुख टीवी न्यूज चैनलों ने कहा कि प्रियंका गांधी के लिए लुटियंस बंगले को लेकर बड़े पैमाने पर बहस छिड़ गई है।

सर्विलांस टीम की सक्रियता से कोरोना संक्रमण रोका जा सकता है : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन के द्वारा न केवल कोविड–१९ को

अपितु संचारी रोगों को भी काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। कोविड–१९ के प्रसार को नियंत्रित करने में सर्विलांस कार्य की भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सर्विलांस टीम की सक्रियता से कोरोना के संक्रमण को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि शनिवार एवं रविवार की साप्ताहिक बन्दी इसी कार्यवाही का हिस्सा है। इस दौरान मेडिकल स्क्रीनिंग, सर्विलांस टीम तथा एम्बुलेंस सेवा को सक्रिय रखते हुए बीमारी में मृत्यु दर को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सर्विलांस टीम के पास इन्फ्रारेड थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर तथा सेनिटाइजर अवश्य हो। संक्रमण बचाव के लिए लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए। मास्क के अनिवार्य उपयोग तथा सोशल डिस्टेंसिंग के पूर्ण पालन के लिए जागरूकता का कार्य पूरी गति से संचालित किया जाए। उन्होंने समस्त कोविड तथा नॉन कोविड अस्पतालों की व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकों तथा नर्सिंग स्टाफ द्वारा नियमित राउण्ड लिया जाए। पैरामेडिक्स द्वारा रोगियों की मॉनिटरिंग की जाए। कोविड तथा नॉन कोविड अस्पतालों सहित समस्त चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सा संस्थानों में ऑक्सीजन की सुचारु व्यवस्था उपलब्ध रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण के सम्बन्ध में पूरी सतर्कता बरती जाए। तटबन्ध आदि का मरम्मत कार्य प्राथमिकता पर पूरा किया जाए। बाढ़ राहत शिविर समय से तैयार कर लिए जाए। टिड्डी दल को नियंत्रित करने के लिए पूरी सतर्कता बरतते हुए प्रभावी कार्यवाही की जाए।

जुलाई के अंत तक कोई लॉकडाउन नहीं

लखनऊ। कोरोना वायरस की रोकथाम के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन लग सकता है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक बुलाई है, जिसमें इस बारे में चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्य सचिव और गृह सचिव सहित कई विभागों के अफसर मौजूद रहे। यूपी में १६ जुलाई से ३१ जुलाई तक लॉकडाउन की चर्चाओं को अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने खारिज किया, कहा शुक्रवार रात १० बजे से सोमवार सुबह ५ बजे तक की बंदी रहेगी। फिलहाल जुलाई के अंत तक कोई लॉकडाउन नहीं कर रहे।

विकास दुबे इनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट एक पूर्व जज की अध्यक्ष में बन सकती है कमेटी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गैंगेस्टर विकास दुबे इनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट एक पूर्व जज की अध्यक्ष में कमेटी बना सकती है। गौरतलब है कि गैंगेस्टर विकास दुबे के साथ पुलिस की दो बार मुठभेड़ हुए। पहले हुई मुठभेड़ में आठ पुलिसवाले मारे गए थे। बाद में जब विकास दुबे पकड़ा गया तो एक दूसरी कथित मुठभेड़ हुई, जिसमें पुलिस ने विकास दुबे को मार गिराया। इस मुठभेड़ पर सवाल उठ रहे हैं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को गैंगेस्टर विकास दुबे और उसके साथियों के मुठभेड़ मामले की अदालत की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाएं सुनीं। अदालत ने कहा कि विकास दुबे, उसके साथियों के एनकाउंटर और आठ पुलिसवालों की हत्या के मामले की जांच के लिए पूर्व जज की अध्यक्षता में एक पैनल के गठन पर विचार कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने अदालत से कहा कि वह मुठभेड़ के सिलसिले में एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेंगे। इस मामले पर अदालत अब २० जुलाई को सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि जुलाई को कानपुर के पास बिकरू गांव में

पुलिस आधी रात के बाद विकास दुबे को पकड़ने गई थी। इस दौरान हुई मुठभेड़ में एक डीएसपी सहित पुलिसवाले मारे गए थे। बाद में नौ जुलाई को विकास को उज्जैन के महाकाल मंदिर से गिरफ्तार किया गया। अगले दिन कानपुर लाते वक्त एक कथित मुठभेड़ में मारा गया। इस मामले में अब तक छह लोग मारे जा चुके हैं और तीन लोग गिरफ्तार हुए हैं। पुलिस ११ और लोगों की तलाश कर रही है।

उप्र में अपराधी चला रहे है सत्ता संरक्षित संगठित सिंडिकेट : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी(सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) शासन में उत्तर प्रदेश में सड़क से लेकर जेल तक अपराधियों द्वारा सत्ता संरक्षित संगठित सिंडीकेट संचालित किए जा रहे हैं। यादव ने आज यहां जारी बयान में कहा कि भाजपा शासन में अपराधियों को संरक्षण दिया जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क से लेकर जेल तक अपराधियों द्वारा सत्ता संरक्षित संगठित सिंडीकेट संचालित किए जा रहे हैं। सिद्धार्थनगर जिला कारागार में कैदियों द्वारा कमीशन देकर जेल में रकम मंगवाने का रैकेट सामने आया है। अलीगढ़ में सत्ता के मद में चूर भाजपा नेता पूर्व मेयर के पति ने चेकिंग के दौरान हेलमेट न पहनने पर पुलिस कर्मियों के टोकने पर धमकी दी। सत्ता की हनक के चलते भाजपा नेता, रिश्तेदार अपनी मनमर्जी के मालिक बन

बैठे हैं। उन्हें कानून का कतई डर नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा का जंगलराज बेटियों के लिए काल साबित हो रहा है। नोएडा के बोर्डिंग स्कूल में नाबालिग बेटी से रेप के बाद शव को लटका दिया गया। परिवार को बिना बताए उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रयागराज में दारोगा के दो बेटों ने दोस्तों संग मिलकर एक किशोरी से दुष्कर्म किया। यादव ने कहा कि कोरोना संकट काल में सरकार लोगों में सुरक्षा, रोजगार और भविष्य के प्रति सकारात्मक रवैया दिखाने में पूर्णतः विफल रही है। गोरखपुर में रविवार को सहजनवां में एक युवक ने जहर खा लिया। बड़हलगंज एरिया में महिला ने फांसी लगा ली। यहां एक हफ्ते के भीतर ११ लोगों ने जान गंवाई। आज बाराबंकी में थाना नगर कोतवाली क्षेत्र में एक परिवार में पति–पत्नी, दो मासूम बच्चों सहित चार लोग संदिग्ध स्थिति में मृत पाए गए।

थाना ठाकुरगंज भी आया कोरोना महामारी की चपेट में

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज अंतर्गत भुंवर चौकी प्रभारी को विनय मिश्रा को हुआ कोरोना। विनय मिश्रा द्वारा कराई गई कोरोना की जांच आई पॉजिटिव। दरोगा विनय मिश्रा की पजिटिव रिपोर्ट आने के बाद ठाकुरगंज थाने के पुलिसकर्मियों में उदासी के साथ ही मचा हड़कंप। कोरोना महामारी में लापरवाही बरतने वालों को नहीं बख्श रहा है कोरोनावायरस , सरकार द्वारा पुलिस प्रशासन के माध्यम से लगातार लोगों को जागरूक करने का किया जा रहा है प्रयास। नहीं हो रहा है सही तरीके से थानों और चौकियों का सैनिटाइजेशन जिसके कारण कहीं ना कहीं पुलिस कर्मियों को झेलनी पड़ रही है कोरोना महामारी की मार।

सम्पादकीय

ऐसी घटना थी, जिसकी पटकथा पहले से तय थी

ऐसी घटना थी, जिसकी पटकथा सबको पहले से मालूम थी। विकास दुबे ने जब मध्य प्रदेश में समर्पण किया, उसके तुरंत बाद सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियों की भरमार लग गई कि अब उसे एनकाउंटर में मार डाला जाएगा। ऐसा अनुमान लगाने वाले सिर्फ विशेषज्ञ और पत्रकार नहीं थे। कई किशोर उम्र नौजवानों ने भी ये बात अपने फेसबुक पोस्ट या ट्विटर पर लिख दी थी। और इन सबकी भविष्यवाणियां सच होने में बमुश्किल २४ घंटे लगे। इस घटना ने उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर की होने वाली घटनाओं के बारे में रहे–सहे संदेह को भी दूर कर दिया है। यहां फर्जी मुठभेड़ को सरकारी नीति के रूप में अपनाया जा रहा है, ये आरोप पहले से लग रहे थे। अब आलोचक कह रहे हैं कि उसकी पुष्टि हो गई है। अब कोई भ्रम नहीं बचा है। ऐसे में अहम सवाल है कि इस देश (या कम से कम उत्तर प्रदेश) में अब कानून का राज और न्याय की उचित प्रक्रिया की अवधारणाओं की क्या जगह रह गई है? जब ये दो अवधारणाएं अमल में ना रह जाएं, तो फिर लोकतंत्र या संवैधानिक व्यवस्था जैसी बातें बेमतलब हो जाती हैं। क्या अब भारत में सचमुच इन्होंने अपना अर्थ खो दिया है? विकास दुबे के एनकाउंटर में मारे जाने, उसके पहले उसके कई सहकर्मियों के इसी तरह मारे जाने और मनमाने ढंग से उसका मकान गिराने की घटनाओं ने इस प्रश्न को बेहद प्रासंगिक बना दिया है। सवाल कई हैं। मसलन, मध्य प्रदेश में गिरफ्तारी के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने विकास को कानपुर लाने के लिए ट्रांजिट रिमांड क्यों नहीं ली थी? इस मुठभेड़ पर सवाल उठाने वाली एक बड़ी बात यह भी है कि विकास दुबे पुलिस, माफिया और राजनीतिक नेताओं की मिली भगत के तंत्र का एक बड़ा गवाह था। कानूनी कार्रवाई के तहत उससे इस तंत्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की जा सकती थी। अब उसके मारे जाने जाने से वो सारे रहस्य रहस्य ही रह जाएंगे। दिसंबर २०१६ में आंध्र प्रदेश के हैदराबाद में एक २६–वर्षीय महिला के सामूहिक बलात्कार और हत्या के जुर्म में गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों भी एक पुलिस ने 'मुठभेड़' में मार गिराया था। पुलिस का कहना था कि जुर्म के श्य की फिर से रचना करने के लिए उन्हें मौके पर ले जाया गया था, जहां उन्होंने एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीन कर भागने की कोशिश की और पुलिस की 'जवाबी कार्रवार' में मारे गए। मगर ऐसी कहानियां अब इतनी चिर–परिचित हो चुकी हैं, नाबालिक बच्चे भी इसका सच जानने लगे हैं।

गले की फांस सोना घोटाला

इसके पहले कि विपक्ष उन्हें घेर लेता, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने समझदारी का परिचय दिया। इसके पहले कि ये मामला उनके गले की फांस बनता, उन्होंने खुद इसकी सीबीआई जांच की सिफारिश केंद्र को भेज दी। केंद्र ने अब एनआईए से इसकी जांच कराने का फैसला किया है। फिर भी केरल की राजनीति में इन दिनों इस घोटाले को लेकर उथल–पुथल मची हुई है। मामला राज्य में बड़े पैमाने पर सोने की तस्करी का है। आरोप है कि घोटाले के तार राज्य के बड़े नेताओं और सरकारी अफसरों तक पहुंचते हैं। इसमें मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के प्रधान सचिव– आईएस अधिकारी एम शिवशंकर का नाम भी आ गया। उसके बाद मुख्यमंत्री को उन्हें पद से हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। दरअसल, पांच जुलाई को तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आया एक कूटनीतिक सामान पकड़ा। विदेश मंत्रालय से अनुमति लेने के बाद यूएई वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों की मौजूदगी में जब उसे खोला गया, तो उसमें घरेलू इस्तेमाल की कई चीजों में भरा हुआ ३० किलो सोना मिला। इसका मूल्य लगभग १५ करोड़ रुपए बताया गया है। अपने आप को वाणिज्य दूतावास का कर्मचारी बता कर उस सामान को लेने आए व्यक्ति सरित कुमार को कस्टम विभाग ने पूछताछ के बाद हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में सरित ने बताया कि वो लगभग एक साल पहले तक वाणिज्य दूतावास में बतौर जन संपर्क अधिकारी काम करते थे, लेकिन अब वो दूतावास के कर्मचारी नहीं हैं। वो दुबई में भी काम कर चुके हैं। सरित ने विभाग को बताया कि उनकी एक सहयोगी केरल सरकार के आईटी विभाग की एक कर्मचारी है जिसका नाम स्वप्ना सुरेश है, जिन्हें अब गिरफ्तार किया जा चुका है। सुरेश से पूछताछ करने के लिए जब विभाग हरकत में आया तो पता चला कि वो सामान खोले जाने के एक दिन पहले से लापता हैं। स्वप्ना भी पहले यूएई के वाणिज्य दूतावास में एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी के पद पर काम करती थीं। मीडिया में आई खबरों में के मुताबिक आईएएस अधिकारी शिवशंकर ने बहुराष्ट्रीय कंपनी प्राइसवाटर हाउसकूपर्स के जरिए स्वप्ना के नाम की उस पद पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा की थी। विपक्ष का आरोप है कि यह सुनियोजित साजिश थी और शिवशंकर स्वप्ना से मिले हुए हैं। विपक्षी नेताओं ने मुख्यमंत्री विजयन के इस्तीफे की भी मांग की है। मगर अब निगाहें एनआईए की जांच पर टिक गई हैं।

ईरान को चीनी प्रलोभन......................

डा .वेद प्रताप वैदिक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कृपा कुछ ऐसी है, जो ईरान को चीन की गोद में बिठा देगी। 'न्यूयार्क टाइम्स' ने एक १८ पृष्ठ का दस्तावेज उजागर किया है, जिससे पता चलता है कि ईरान में चीन अगले २५ साल में ४०० बिलियन डॉलर्स का विनियोग करेगा। इस पैसे का इस्तेमाल किस–किस क्षेत्र में घुसने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, यह जानकर ही आप दंग रह जाएंगे। ईरान में रेलें, सड़कें, पुल, बंदरगाह आदि के निर्माण में तो चीनी पूंजी लगेगी ही, चीन का बस चलेगा तो वह ईरान की बैंकों, दूर–संचार और फौजी जरुरतों पर भी अपना वर्चस्व कायम करना चाहेगा। ईरान के जरिए वह दक्षिण और मध्य एशिया के राष्ट्रों में अपनी सामरिक उपस्थिति बढ़ाने की पूरी कोशिश करेगा। दक्षिण एशिया के साथ २००० तक चीन का व्यापार सिर्फ ५.५७ बिलियन डॉलकर का था, पिछले १८–१६ साल में वह २३ गुना बढ़कर १२७.३६ बिलियन डॉलर का हो गया है। पाकिस्तान पर तो चीन की पकड़ काफी मजबूत है ही वह अफगानिस्तान में भी अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यदि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान– इन तीनों देशों में चीन का वर्चस्व बढ़ गया तो भारतीय विदेश नीति के लिए यह काफी चिंता का विषय बन जाएगा। इसकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा अमेरिका पर होगी, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी अतिवादी और बड़बोली नीतियों के कारण ईरान को चीन पर निर्भर कर दिया है। ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के पहले से यह एलान कर रखा था कि वे ईरान के साथ हुए बहुराष्ट्रीय परमाणु समझौते को गलत मानते हैं और यदि वे राष्ट्रपति बन गए तो उसे वे रद्द कर देंगे। २०१५ में वह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और छह राष्ट्रों ने मिलकर किया था। दो साल की कड़ी मेहनत के बाद वह अंतरराष्ट्रीय समझौता संपन्न हुआ था और ईरान पर लगे प्रतिबंध उठा लिए गए थे लेकिन ट्रंप ने उस समझौते से अमेरिका को बाहर निकाल लिया और २०१८ से ईरान पर सारे प्रतिबंध दुबारा थोप दिए। उसने उन देशों पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दे दी, जो ईरान से तेल खरीदते हैं या व्यापार करते हैं। ईरान की अर्थ–व्यवस्था लगभग चौपट हो गई है। मरता, क्या नहीं करता? २०१६ में चीनी राष्ट्रपति शी चिन फिंग ने अपनी ईरान–यात्रा के दौरान सामरिक सहयोग का जो प्रस्ताव रखा था, उसे अब ईरान ने स्वीकार कर लिया है। इस समय चीन अपना ७० प्रतिशत तेल आयात करता है। उसे अब वह सस्ता और आसानी से मिलेगा। इस समय ईरान–चीन व्यापार सिर्फ २३ बिलियन डॉलर का है लेकिन चीनी राष्ट्रपति के अनुसार वह ६०० बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यदि ऐसा होता है तो सबसे ज्यादा चिंता सउदी अरब और इस्राइल को ही होगी, क्योंकि इन दोनों देशों के विरोधियों को टेका लगाने का दोष ईरान के मत्थे ही मढ़ा जाता है। यदि नवंबर में अमेरिका में सत्ता–परिवर्तन हो जाता है तो निश्चय ही ईरान के साथ उसके संबंध सुधरेंगे और एशिया के इस क्षेत्र में तनाव घटेगा।

महामारी की अनिश्चितता से बढ़ी चिंता

सुशान्त कुमार

कोरोना वायरस के संक्रमण शुरू हुए छह महीने हो गए हैं। इन छह महीनों में इस वायरस की महामारी की लड़ाई में क्या हासिल हुआ और अभी क्या खतरा बचा हुआ है इस पर विचार करें तो बहुत हैरान करने वाली बातें सामने आएंगी। जैसे पहली हैरान करने वाली बात यह है कि जिस समय देश में कोरोना वायरस के कम मामले थे और लॉकडाउन लागू किया गया था उस समय लोगों के मन में इस वायरस को लेकर खौफ था। वे डरे हुए थे और सारे दिशा–निर्देशों का पालन कर रहे थे। पर जब हर दिन २५ हजार से ज्यादा मामले आ रहे हैं और पांच सौ से ज्यादा लोग इस वायरस के संक्रमण से मर रहे हैं तो लोगों का डर खत्म हो गया है। वे सरकारी दिशा–निर्देशों का पालन इसलिए कर रहे हैं क्योंकि फाइन हो जाने का खतरा है। अब सवाल है कि कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बावजूद भय क्यों खत्म हुआ? इसके दो स्पष्ट कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि सरकार ने लगातार प्रेस कांफ्रेंस करके और संचार के दूसरे माध्यमों से या व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के जरिए यह बात लोगों के दिमाग में फैला दी है कि यह मामूली सर्दी, जुकाम वाला वायरस है। लोग आसानी से ठीक हो रहे हैं और अस्पतालों में भरती होने की भी जरूरत नहीं है। यानी घर पर ही लोग रह कर ठीक हो जाएंगे। दूसरा कारण यह है कि कोरोना वायरस की वजह से आर्थिक संकट सबके सामने खड़ा हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि जान और जहान दोनों बचाना है पर अब लोग जहान की ज्यादा चिंता कर रहे हैं। उनको लग रहा है कि काम धंधे बचेंगे या कमाई होगी तो जान भी बच जाएगी। यानी उन्हें लग रहा है कि कोरोना

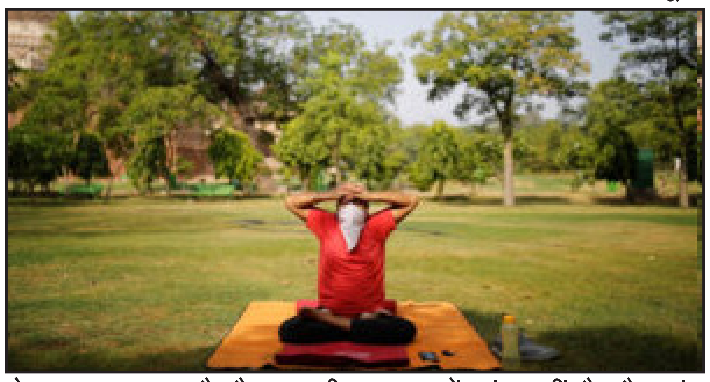

से लड़ा जा सकता है और बचा भी जा सकता है पर आर्थिक बदहाली से नहीं बचा जा सकता है। सो, लोग आर्थिक बदहाली से निकलने के लिए कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जोखिम ले रहे हैं। पर मुश्किल यह है कि इस जोखिम के बावजूद उनकी आर्थिक बदहाली के हालात नहीं बदलने वाले हैं। वे जान जोखिम में डाल कर काम धंधे के लिए निकल रहे हैं पर कहीं भी काम धंधा नहीं है। छोटे छोटे स्वरोजगार करने वालों की भारत में सबसे ज्यादा तादाद है पर सबका एक ही रोना है कि बाजार में ग्राहक नहीं हैं। असल में वायरस का संक्रमण रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था पटरी पर उतरी और उसके बाद कोई प्रयास उसे पटरी पर लाने का नहीं किया गया। लाखों करोड़ रुपए का जो पैकेज घोषित किया गया है वह सप्लाई साइड को मजबूत करने के लिए था। उसमें बाजार में मांग बढ़ाने वाली एक भी घोषणा नहीं थी। चूंकि बाजार में मांग नहीं है और मांग बढ़ने की कोई संभावना भी नहीं दिख रही है इसलिए उत्पादन भी ठप पड़ा है या फैक्टरियां कम क्षमता के साथ काम कर रही हैं। यह स्थिति उद्यमियों और कारोबारियों के लिए ज्यादा नुकसानदे है। इससे अच्छी स्थिति यह थी कि सब कुछ बंद था। इस बीच छह महीने के बाद यह स्थिति हो गई है कि कोरोना को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है। सब कुछ इतना अनिश्चित सा है कि उसने लोगों की चिंताएं ज्यादा बढ़ा दी है। शुरू में ऐसा लग रहा था कि कोरोना की लड़ाई जल्दी ही खत्म हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने यह लडाई २१ दिन में खत्म होने की बात कही थी। फिर भी लोगों को लग रहा था कि दो–तीन महीने में यह खत्म हो जाएगा। पर ऐसा नहीं हुआ। उलटे अब इसके अगले पूरे साल रहने का अंदेशा जताया जाने लगा है। पिछले दिनों अमेरिकी इंस्टीच्यूट एमआईटी का एक प्रोजेक्शन आया, जिसके मुताबिक भारत में अगले साल फरवरी में हर दिन २.८७ लाख केसेज आ सकते हैं और अगले साल के आखिर तक भारत दुनिया का सबसे ज्यादा संक्रमित देश बन सकता है। इस प्रोजेक्शन ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी। लोगों को इस किस्म के प्रोजेक्शन अब इसलिए भी सच लगने लगे हैं क्योंकि भारत में संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हर दिन २५ हजार से ज्यादा मामले आ रहे हैं और कोरोना वायरस के एक्टिव केसेज की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह तीन लाख से ऊपर पहुंच गई है। बढ़ते हुए केसेज की वजह से राज्यों की सरकारों को पाबंदी लगाने का फैसला करना पड़ रहा है। ध्यान रहे इस समय एक दर्जन राज्यों में किसी न किसी रूप में प्रतिबंध लगा हुआ है। कहीं कंपलीट लॉकडाउन है तो कहीं दो दिन का लॉकडाउन है। कहीं रात का कर्फ्यू है तो कहीं रविवार का कर्फ्यू है। इससे भी अनिश्चितता बढ़ी है। लोगों को समझ में नहीं आ रहा है यह स्थिति कब तक रहेगी। इसका मनोवैज्ञानिक असर लोगों पर यह हुआ है कि वे अपना खर्च नहीं बढ़ाना चाहते हैं। वे बचत पर ध्यान रहे हैं आगे के संभावित संकट के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इसकी वजह से भी मांग नहीं बढ़ पा रही है। ध्यान रहे सरकार ने जून में जब सब कुछ खोलने का फैसला किया था उसके बाद बड़े जोर शोर से इसका प्रचार हुआ था कि कारोबार लॉकडाउन से पहले वाली स्थिति में लौट रहा है। पर डेढ़ महीने बाद चक्र उलटा चलने लगा है। सारी आर्थिक गतिविधि यां फिर सुस्त होने लगी हैं। लोगों ने आर्थिक कारणों से और कोरोना की चिंता में भी आवाजाही कम कर दी है। आर्थिक गतिविधियों के एक आकलन का पैमाना बिजली की खपत होती है, यह फिर कम होने लगी है। अभी जो लोग अगले वित्त वर्ष में आर्थिकी में सुधार की भविष्यवाणी कर रहे हैं वे असल में सिर्फ आंकड़े सुधरने की बात कर रहे हैं। आंकड़े इसलिए सुधर जाएंगे क्योंकि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी इतनी नीचे चली जाएगी कि अगले साल कुछ भी सुधार होगा तो वह बहुत ज्यादा दिखाई देगा। पर हकीकत यह है कि कोरोना वायरस के पिछले छह महीने के काल में विक्रेता और उपभोक्ता दोनों बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं और इसलिए अगले काफी समय तक उनकी स्थिति में सुधार की गुंजाइश नहीं है।

विपक्षी सरकारों की गर्दन पर तलवार

अजीत द्विवेदी

जब सरकार हो तो डबल इंजन की हो वरना न हो! यह उस पार्टी और सरकार का मूलमंत्र बन गया है, जिसके नेताओं ने विपक्ष में रहते और सत्ता में आने के बाद भी सहकारी संघवाद का सबसे ज्यादा मंत्र जाप किया है। जिस नेता ने विपक्ष में रहते हुए केंद्र के हर कदम, हर फैसले को इस कसौटी पर कसा कि यह भारत के संघीय ढांचे के अनुरूप है या नहीं और जिसने खुद देश की कमान संभालने के बाद सहकारी संघवाद का सबसे ज्यादा बार जिक्र किया उसी के शासन में देश का संघीय ढांचा अपनी आखिरी सांसें गिनता दिख रहा है। जिस पार्टी ने सबसे लंबा समय विपक्ष में बिताया है और जिस पार्टी के ऐसे नेता हुए, जिनका कद विपक्ष में रहते हुई भी सत्ता पक्ष के नेताओं से बड़ा हुआ और जिन्हें प्रधानमंत्रियों से भी ज्यादा सम्मान मिला उस पार्टी की अब चाह है कि देश में कोई विपक्ष न हो, न कोई विपक्षी सरकार हो, जहां हो वहां डबल इंजन की सरकार हो! हालांकि ऐसा नहीं है कि डबल इंजन की सरकारें जादू कर रही हैं। जिस राज्य में भी डबल इंजन की सरकार पांच साल चली वहां एकाध अपवादों को छोड़ कर लोगों ने या तो सरकार पलट दी या उसके प्रति स्पष्ट नाराजगी जता दी। यह बात कोरोना वायरस की लड़ाई में भी साफ दिख रही है। डबल इंजन की राज्य सरकारों ने सब गुड़ गोबर किया हुआ है। जहां सिंगल इंजन की सरकार है वहां कोरोना से लड़ाई ज्यादा प्रभावी तरीके से लड़ी जा रही है और डबल इंजन वाली राज्य सरकारों ने कोरोना के सामने लोगों को उनके हाल पर छोड़ा है। गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश और बिहार से लेकर कर्नाटक तक और गोवा से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों तक में इसे बहुत स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। फिर भी भाजपा की जिद है कि वह हर राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाएगी, चाहे पार्टी चुनाव में जीती हो या नहीं। इसके लिए भाजपा ने कोई १२ साल पहले २००८ में कर्नाटक में बीएस येदियुरप्पा के ईजाद किए अपरेशन लोट्स के फार्मूले को और इंप्रोवाइज किया है। कर्नाटक में २००८ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं आया था पर उसकी सरकार बन गई थी। इसके बाद येदियुरप्पा ने कांग्रेस और जेडीएस के विधायकों से इस्तीफे करा कर उनको अपनी पार्टी की टिकट से चुनाव लड़ाया और अपनी सरकार का बहुमत बनाया। दूसरी बार भी उनकी सरकार इसी फार्मूले से बनी है। कर्नाटक में तो भाजपा ने जीतने और सरकार बनाने के बाद यह फार्मूला अपनाया था पर अब हारे हुए राज्यों में भी वह इस फार्मूले से सरकार बना रही है। इसी फार्मूले से भाजपा ने मध्य प्रदेश में अपनी सरकार बनाई है। ऐसा नहीं है कि भाजपा ने राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए सिर्फ इसी फार्मूले का इस्तेमाल किया है। उसने आजाद भारत के इतिहास में ईजाद हुए दूसरे तमाम फार्मूले भी आजमाए। जैसे एक फार्मूला भजनलाल का था, जिन्होंने अस्सी के दशक में पूरी पार्टी का विलय कांग्रेस में करा दिया और मुख्यमंत्री बने रहे थे। इस फार्मूले से भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में सरकार बनाई थी, जब पेमा खांडू ने पूरी पार्टी का विलय भाजपा में कर दिया। गठबंधन बदल के फार्मूले से भाजपा ने बिहार में डबल इंजन की सरकार बनाई है। दूसरी पार्टी के विधायकों को तोड़ कर अपनी सरकार बनाने का फार्मूला भाजपा ने मणिपुर में और गोवा में आजमाया। अपरेशन लोट्स वाले फार्मूले पर अब राजस्थान में सरकार बनाने का प्रयास होता दिख रहा है। शायद भाजपा के नेता मान रहे हैं कि जब तक केंद्र से लेकर हर राज्य में भाजपा की अपनी सरकार नहीं बनेगी तब तक देश का विकास संभव नहीं है और न भारत को विश्व गुरू बनाया जा सकता है। इसलिए सारे काम छोड़ कर, भाजपा विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने और अपनी सरकार बनाने के काम में लगी है। ध्यान रहे इस समय देश कोरोना वायरस से त्रस्त है और आर्थिकी का संकट इतिहास के किसी भी समय के मुकाबले ज्यादा गहरा है, पर इसकी चिंता से ज्यादा ध्यान राजनीतिक ताकत बढ़ाने पर है। भाजपा ने यह काम इतने खुलेआम तरीके से किया है कि सारे विपक्षी मुख्यमंत्री डरे हुए हैं। उन्हें कामकाज से ज्यादा चिंता इस बात की हो गई है कि अपने विधायकों को बचा कर कैसे रखें। इस चिंता में वे अपने विधायकों और मंत्रियों को मनमानी करने दे रहे हैं। सोचें, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, सबसे बड़ी फंक्शनल डेमोक्रेसी, जिसे सबसे जीवंत लोकतंत्र भी कहा जाता था, आज किस मुकाम पर है? आज कोई अपनी सरकार बचाने के लिए विधायकों को एक रिसर्ट में ले जाता है तो दूसरा उसकी सरकार गिराने के लिए विधायकों को होटलों और रिसर्ट में बंद कर रहा है। राजस्थान का मामला आया तो एक नेता ने विधायकों को बकरा मंडी में खड़ा बताया तो दूसरे नेता ने घोड़ों के अस्तबल का मुहावरा इस्तेमाल किया। भाजपा के एक नेता ने कहा कि जहां हरियाली होगी वहीं तो घोड़े जाएंगे! इसका मतलब है कि हरियाली भाजपा में है और वहां सबको खुलेआम दौड़ लगाने और हरी घास चरने की सुविधा भी होगी। लेकिन प्रधानमंत्री ने तो कहा था कि वे न खाएंगे, न खाने देंगे! बहरहाल, भाजपा ने एक तरह से जनता के वोट का मतलब ही खत्म कर दिया है। जनता अपने वोट से जिसे चाहे जिताए, अंत में वह भाजपा में चला जाएगा और सरकार भाजपा की बन जाएगी। इसका नतीजा यह है कि विपक्षी सरकारों ने मंत्रियों व विधायकों को खुश रखने को प्राथमिकता दी है क्योंकि उन्हें पता है कि वे खुश नहीं रखेंगे तो भाजपा उनको खुश कर देगी। और विधायकों, मंत्रियों को किस तरह से खुश रखा जाता है, यह सबको पता है। बहरहाल, आज स्थिति यह है कि जिस राज्य में भी विपक्षी पार्टी की सरकार है वह चिंता में है। उसकी गर्दन पर तलवार लटक रही है। मुख्यमंत्री कामकाज करने की बजाय विधायकों को खुश रखने के प्रयास में हैं। विधायक अपने अपने नेतृत्व को यह डर दिखाने की स्थिति में हैं कि वे भाजपा में चले जाएंगे। वहां उन्हें मंत्री बना दिए जाएंगे और मंत्री नहीं बनाए गए तब भी किसी बोर्ड या निगम की अध्यक्षता मिल जाएगी। सांसदी भी मिल सकती है। सिद्धरमैया, कुमारस्वामी और कमलनाथ से लेकर अशोक गहलोत तक ने कहा है कि विधायकों को भारी भरकम नकदी भी अफर की गई। फिर एक बड़ा फायदा यह भी है कि भाजपा में जाते ही उनके सारे पिछले पाप धुल जाते हैं और वे हर तरह की जांच से सुरक्षित हो जाते हैं। इतने सारे स्पष्ट प्रलोभनों के बावजूद अगर कुछ लोग आज भी विपक्ष की राजनीति कर रहे हैं तो उन्हें सैल्यूट करना तो बनता है।

दुबे मुठभेड़ः सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया

लखनऊ। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के दुर्दांत अपराधी विकास दुबे एवं उसके गुर्गों की मुठभेड़ की विशेष जांच संबंधी याचिका पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की खंडपीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश सलिसिटर जनरल और याचिकाकर्ता वकीलों- घनश्याम उपाध्याय और अनूप अवस्थी- की दलीलें सुनने के बाद हैदराबाद मुठभेड़ की तर्ज पर तथ्यान्वेषी समिति गठित करने के संकेत दिये। न्यायालय ने राज्य सरकार गुरुवार तक अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए सोमवार (२० जुलाई) की तारीख मुकर्रर की। इससे पहले मेहता ने कहा कि उन्हें इस मामले में राज्य सरकार का दृष्टिकोण रखने की अनुमति प्रदान की जाये। उन्होंने कहा कि वह राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए हलफनामा दायर करना चाहते हैं, इसके बाद न्यायालय ने इसके लिए

गुरुवार तक का समय दिया। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा कि वह इस मामले में भी वैसा ही रुख अख्तियार करेंगे जैसे हैदराबाद मुठभेड़ कांड में अपनाया था। उन्होंने हैदराबाद की तर्ज पर ही इस मामले में भी तथ्यान्वेषी समिति गठित करने के संकेत दिये।

ओली के बयान पर भड़के केशव, कहा नेपाल भी भारत का हिस्सा रहा है

लखनऊ। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली के भगवान राम पर दिये गये बयान को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या भड़क गए हैं। उन्होंने ओली पर निशाना साधा और कहा कि शर्मा 'ओली' का अमर्यादित बयान उनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। नेपाल भी पहले आर्यावर्त (भारत) का हिस्सा रहा है। केशव प्रसाद मौर्या ने मंगलवार को ट्वीटर के माध्यम से लिखा, "मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी की जन्मस्थली को लेकर नेपाल के कम्युनिस्ट प्रधानमंत्री श्री के. पी.शर्मा 'ओली' जी का अमर्यादित बयान उनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। जाको प्रभु दारुण दुख दीन्हा । ताके मति पहिले हर लीन्हा। जय श्री राम अयोध्या राममंदिर अयोध्या। ओली जी को मालूम होना चाहिए कि नेपाल भी पूर्व में आर्यावर्त (भारत) का हिस्सा रहा है।" ज्ञात हो कि काठमांडु में पीएम आवास में सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में ओली ने कहा, अयोध्या असल में नेपाल के बीरभूमि जिले के पश्चिम में स्थित

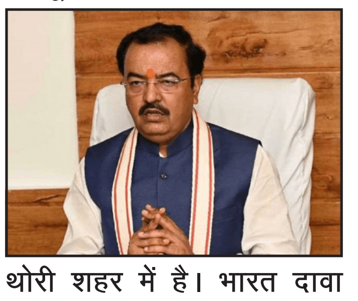

थोरी शहर में है। भारत दावा करता है कि भगवान राम का जन्म वहां हुआ था। उसके इसी लगातार दावे के कारण हम मानने लगे हैं कि देवी सीता का विवाह भारत के राजकुमार राम से हुआ था। जबकि असलियत में अयोध्या बीरभूमि के पास स्थित एक गांव है। नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने भारत पर सांस्कृतिक अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए कहा, भारत ने एक नकली अयोध्या का निर्माण किया है। उन्होंने दावा किया कि वाल्मिकी आश्रम नेपाल में है और वह पवित्र स्थान जहां राजा दशरथ ने पुत्र के जन्म के लिए यज्ञ किया था वह रिदि है। उन्होंने कहा कि दशरथ पुत्र राम भारतीय नहीं थे और असली अयोध्या भी नेपाल में है। ओली ने अपने इन ओछे दावों पर अजीबोगरीब दलील देते हुए कहा कि जब संचार का कोई तरीका ही नहीं था तो भगवान राम सीता से विवाह करने जनकपुर कैसे आए? उन्होंने यह भी दावा किया कि भगवान राम के लिए तब यह असंभव था कि वह भारत में स्थित मौजूदा अयोध्या से जनकपुर तक आते। ओली ने कहा, जनकपुर यहां और अयोध्या वहां है और हम विवाह की बात कर रहे हैं। तब न मोबाइल फोन था और ना ही टेलीफोन, तो उन्हें जनकपुर के बारे में कैसे पता चला।

यूपी में अब हर शुक्रवार रात से 55 घंटे का लॉकडाउन

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों से चिंतित उत्तर प्रदेश सरकार ने अब हर शुक्रवार रात दस बजे से पूरे राज्य में लॉकडाउन शब्द का इस्तेमाल किए बगैर अगले ५५ घंटों के लिये जरूरी प्रतिबंध लागू किये है। सूबे के मुख्य सचिव राजेन्द्र पर प्रतिबंध नहीं लगेगा। मालवाहन वाहन चलते रहेंगे जबकि राजमार्गों के किनारे पेट्रोल पंप और ढाबे पूर्ववतः खुले रहेंगे। इन तीन दिनों में सफाई और स्वच्छता अभियान वृहद रूप में चलाया जायेगा। इसमें शामिल कर्मचारी इन प्रतिबंधों से मुक्त रहेंगे

कुमार तिवारी ने इस संबंध में मंगलवार को दिशा निर्देश सभी जिला प्रशासनों को जारी किये है। इसके अनुसार अब हर शुक्रवार रात दस बजे से सोमवार सुबह पांच बजे तक संपूर्ण प्रदेश में बैंकों और अन्य जरूरी सेवाओं के कार्यालय को छोड़कर सभी सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे हालांकि सब्जी और फलों की मंडियां और दुकाने खुली रहेंगी। रेलवे और राज्य सड़क परिवहन निगम की सेवाये यथावत जारी रहेंगी। रेल से आने वाले यात्रियों के लिये जरूरी बसों का इंतजाम राज्य सड़क परिवहन निगम करेगा। हवाई अड्डों से अपने गंतव्य को जाने वाले यात्रियों के आवागमन और इनसे संबंधित कार्यालय भी खुले रहेंगे। इस अवधि में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित औद्योगिक कारखाने खुले रहेंगे जिनमें सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी प्रतिबंधों का कड़ाई से अनुपालन करना होगा।यहां काम करने वाले कर्मचारियों का पहचान पत्र ही ड्यूटी पास माना जायेगा। इस दौरान एक्सप्रेस वे, पुल और सरकारी एवं निजी प्रोजेक्ट जारी रहेंगे। लाकडाउन के दौरान जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता अभियान वृहद स्तर पर चलाया जायेगा और लोगों को कोरोना समेत अन्य संक्रामक बीमारियों के प्रति जागरूक किया जायेगा।

नोएडा में ४०० बेड का कोविड अस्पताल तैयार, अपर मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर। गौतमबुद्धनगर में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जिला प्रशासन सभी महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इसी क्रम में सेक्टर-३६ स्थित नए जिला अस्पताल में ४०० बेड के कोविड अस्पताल का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को निरीक्षण किया। अस्पताल का निर्माण बिल गेट्स फाउंडेशन और टाटा कंपनी की ओर से कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत किया गया है। अस्पताल लेवल-१, २ व ३ श्रेणी का है। यहां सामान्य और गंभीर मरीजों को भर्ती की सुविधा मिलेगी। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ से वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। अस्पताल का निर्माण नोएडा प्राधिकरण की ओर से किया गया है। अस्पताल कोविड की सभी सुविधाओं से लैस होगा। यह जिले का सबसे बड़ा कोविड अस्पताल होगा लेकिन अस्पताल कब से शुरू होगा इसकी तारीख तय नहीं की गई है। साथ ही निरीक्षण के बाद अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने जिला प्रशासन से साथ बैठक भी की और अस्पताल को लेकर सभी महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान जिलाधिकारी सुहास एल वाई, ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण, प्रभारी सीएमओ डॉ नेपाल सिंह, सीएमएस डॉ. वीबी ढाका उनके साथ थे।

मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

लखनऊ। मण्डलायुक्त मुकेश कुमार मेश्राम की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु एवं प्रवासी कामगारों के समायोजन के सम्बन्ध में "गूगल मीट"पर वी०सी० के द्वारा बैठक सम्पन्न हुयी, जिसमें संयुक्त आयुक्त उद्योग पवन अग्रवाल औद्योगिक इकाईयों के संगठन के पदाधिकारी व उद्यमी सहित मण्डल के सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा बैठक में ऑनलाइन जुड़कर प्रतिभाग किया गया। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र चिनहट में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना के सम्बन्ध में अग्निशमन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि यू०पी०एस०आई०डी०सी० द्वारा उपलब्ध करायी गयी जमीन पर मानचित्र बनवाकर ग्रह विभाग को प्रेषित गया है जिसके लिये मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि एक पत्र ग्रह विभाग को प्रेषित किया जायें औद्योगिक क्षेत्र चिनहट में उद्यमियों द्वारा काफी समय से अग्निशमन केन्द्र के स्थापना की मांग की जा रही है तथा सुरक्षा की दृष्टि से अग्निशमन केन्द्र की आवश्यकता भी है इसलिये प्रकरण पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए अनुमति प्रदान की जायें। अमौसी तथा सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र को नगर निगम को हस्तान्तरित करने के सम्बन्ध में निर्देश दिये गयें कि यू०पी० सीडा को पत्र प्रेषित किया जायें, जिसमें यूपी सीडा द्वारा २०० मीटर सड़क पैच का निर्माण पूरा कर हस्तान्तरित करने की कार्यवाही की जायें तथा नगर निगम को पत्र प्रेषित किया जायें कि टेक ओवर कर अपने एक्ट के अर्न्तगत अनुमन्य टैक्स लेकर वहां पर सुविधाये प्रदान करें। औद्योगिक इकाईयों में विद्युत शुल्क घटाने के सम्बन्ध में प्रकरण को राज्य स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक में संदर्भित करने के निर्देश दिये गयें। इण्डस्ट्रीयल एरिया देवा रोड़ पर अतिक्रमण तथा सड़के क्षतिग्रस्त होने के सम्बन्ध में पी०डब्लू०डी० विभाग को निर्देशित किया गया कि सड़क का सर्वे कराकर ट्रैफिक लोड के अनुसार सड़क को री डिजाइन करायें। प्रवासी कामगारों के समायोजन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि ०६ माह की एक ठोस कार्य योजना बनाकर सम्बन्धित अधिकारी अपना प्रोएक्टिव रोल अदा करते हुए ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को समायोजित करायें। जनपदवार औद्योगिक ईकाइयों का सर्वे कराया जायें कि किस इण्डस्ट्री में कितने श्रमिक है, कितने श्रमिकों की आवश्यकता है, कितने कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है। औद्योगिक ईकाइयों की आवश्यक्तानुसार श्रमिकों को टेक्निकल प्रशिक्षण कराकर समायोजित कराया जायें। जनपदों में जिलाधिकारी के स्तर से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, ओ०डी०ओ०पी० वित्त पोषण योजना के प्रगति की समीक्षा की जायें तथा सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा ऋण सम्बन्धी व अन्य आ रही समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराया जाये जिससे कि इकोनॉमी गतिविधियां निरन्तर चलती रहे।

ओली के विवादित बयान को शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने लिया आड़े हाथ

लखनऊ। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली द्वारा भगवान राम पर दिए गए विवादित बयान को शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने लिया आड़े हाथ। मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने कहा, नेपाल के पीएम ने जो बयान दिया है हम इसकी निंदा करते हैं और यह अफसोसनाक बयान है, नेपाल के पीएम काफी दिनो से चीन और पाकिस्तान के इशारो पर काम कर रहे हैं, भारत सरकार और भारत के लोगो को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं, ओली को अपने भारत से रिश्तो को देखना चाहिए दूसरो के हाथो की कथपुतली नहीं बनना चाहिए क्योंकि उन्होंने ऐसा बयान देकर पूरे भारत के लोगों की दिल को ठेस पहुँचाई है इसलिए वो बिना किसी शर्त के माफी माँगे- सैफ अब्बास नेपाल के प्रधानमंत्री को यह जान लेना चाहिए चाइना और पाकिस्तान कभी भी किसी के दोस्त नहीं रहे हैं यह नेपाल का भी साथ नहीं देने वाले हैं इनको भी टिशु की तरह इस्तेमाल करेंगे- मौलाना सैफ अब्बास

डा० महेन्द्र सिंह ०६ जनपदों के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री डा० महेन्द्र सिंह कल १५ जुलाई, २०२० को जनपद सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर तथा बस्ती का भ्रमण करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार जलशक्ति मंत्री जनपद सिद्धार्थनगर एवं महाराजगंज के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करते हुए कुशीनगर पहुंचेंगे। इसके पश्चात दोपहर १२:०० बजे गण्डक (नारायणी) नदी के दायें तट पर अमवा खास तटबन्ध पर कराये जा रहे कटाव निरोधक कार्यों का निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात जनपद कुशीनगर में अहिरौलीदान-पिपराघाट तटबन्ध पर देवरिया के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करते हुए गोरखपुर पहुंचेंगे। इसके पश्चात अपराह्न ०३:०० बजे जनपद गोरखपुर में खड़गपुर, शाहपुर सोपाई तटबन्ध एवं जनपद बस्ती के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करते हुए शाम को राजधानी वापस लौट आएंगे।

सीएमएस ने कानून को ताक पर रखकर किया आयोजन,नहीं दिखी सरकार की गाइडलाइन'

लखनऊ। CMS ब्रांच गोमती नगर में टॉपर छात्रों को एक-एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित, देश आदमी होने चाहिए नही तो पुलिस बद तमीजी की सारी सीमायें पार कर जाती है कहीं कही खाना फेकने तक के मामले सामने आय

में कोरोना जैसे महामारी फैली हुई है सारे कानून सिर्फ गरीबों और मजदूरों के लिए हैं, गरीब की शादी बियाह होती है सरकार की गाइडलाइन है ३० से ४० हैं, इस तरीके से CMS स्कूल सरकार की गाइड लाइन की धज्जियां उड़ा रहा है कार्यक्रम में जुटे ५ सैकड़ा से अधिक लोग, 'इनके लिये नहीं है कोई कानून'

उद्यान विभाग द्वारा मौनपालकों को हर सम्भव मदद की व्यवस्था

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मधुमक्खी पालन कृषि उद्यम के रूप में किसानों और बागवानों द्वारा प्रमुखता से अपनाया जाने लगा है। किसान इस व्यवसाय को अपनाकर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। उद्यान विभाग मौनपालन व्यवसाय को अपनाने वाले किसानों और बागवानों को हर सम्भव सहयोग प्रदान कर रहा है। यह जानकारी संयुक्त निदेशक उद्यान डा० आर० के० तोमर ने आज यहां दी। उन्होंने बताया कि मौनपालकों को सम सामायिक जानकारी कराने की व्यवस्था जिला स्तर पर भी की गयी है। मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियों से शहद, पालन प्रपोलिस, मोम, मौन विष एवं रॉयल जैली आदि स्वास्थ्यकारक, गुणकारी पदार्थ प्राप्त होते है, जो बहुत लाभकारी है। इसके अतिरिक्त जहां मधुमक्खियों से फसलों में पर- परागण से पौधों की जीविता एवं उत्पादन में २-३ गुना वृद्धि होती है, वही लोगों को स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त होते है। उन्होंने बताया

मौनपालकों को जिला स्तर पर भी सामयिक जानकारी सुलभ रहेगी
मौनपालन से स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होगें--डा० आर० के० तोमर

कि मधुमक्खी पालन से कम समय में अच्छी आय अर्जित की जा सकती है। इस हेतु मौनपालकों को मौसम के अनुसार सम-सामयिक रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ०प्र० लखनऊ द्वारा मधुमक्खी पालको/ कृषकों को आवश्यक सुझाव व सलाह देने की हर स्तर पर व्यवस्था की गई है। डा० तोमर ने मौनपालकों को सलाह दी है कि बरसात का मौसम चल रहा है। माह-जुलाई, एवं अगस्त में मधुमक्खियों के मौनवंशों को ऊँचे स्थान पर रखकर मौन गृहों के स्टैण्ड के नीचे चीटीं आदि को रोकने के लिए प्यालियों में पानी भर दें तथा पानी को समय-समय पर बदलते रहें। इस मौसम में चींटीं, बर्रे, मोमी पतिंगा, मेढक ड्रैगन फ्लाई आदि द्वारा भी मौनगृह में घुसकर मधुमक्खियों को क्षति पहुचायी जाती है। इन शत्रुओं से बचाव के लिए मौनगृहों के छिद्रोंद्धरारों में गीली मिट्टी भर दें, प्रवेश द्वार को छोटा अथवा क्वीन गेट लगा दें। डा० तोमर ने मौनपालकों को यह भी सलाह दी है कि मौनवशों में माइट के प्रकोप दिखाई देने पर दो से तीन ग्राम तम्बाकू/ नीम की पत्ती का धुनीकरण सप्ताह में दो बार किया जायें तथा अधिक प्रकोप की दशा में ८५ प्रतिशत फार्मिक एसिड का प्रयोग इन्जेक्शन की शीशी में रख कर सायंकाल के समय देते रहना चाहिए। बरसात के मौसम में प्रायः प्रदेश में बी-फ्लोरा की उपलब्धता भरपूर नहीं मिल पाती है। इसके लिए मौनपालक मौनवंश को ध्दिम्रम भोजन के रूप में चीनी एवं पानी का ६०.४० के अनुपात में घोल बनाकर देते रहे। इसके साथ ही मक्का, बाजरा, ज्वार, लता वर्गीय सब्जिया आदि की फसलों के क्षेत्रों में माइग्रेशन किया जा सकता है।

गौतमबुद्धनगर में कोरोना के १६७ नए मामले, २ मरीजों की मौत

गौतमबुद्धनगर। गौतमबुद्धनगर में कोरोना संक्रमण के मंगलवार को १६७ नए मामले सामने आए है जबकि इस दौरान दो मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही जिले में मृतकों की कुल संख्या ३५ हो चुकी है। जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, पिछले २४ घंटे में जिले में कोरोनावायरस संक्रमण के १६७ नए मामले सामने आए हैं। वहीं आज दो लोगों की संक्रमण के कारण मृत्यु भी हुई है, और इस तरह जिले में मृतकों की कुल संख्या ३५ हो गई है। इसके अलावा मंगलवार को १३८ मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अब तक जिले में कुल २७२८ मरीजों को स्वस्थ होने के बाद छुट्टी दी जा चुकी है। चौहान के अनुसार, अब कुल ८५१ संक्रमित मरीजों का जिले के अलग-अलग कोविड अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। वहीं कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षा के उद्देश्य से जिले में जहां पर नए कंटेनमेंट जोन बनाए जा रहे हैं।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से श्रम कल्याण परिषद के कार्यों की हुई समीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश श्रम कल्याण परिषद के अध्यक्ष श्री सुनील भराला ने परिषद द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पात्र श्रमिकों को समय से मिले, इसके लिए समस्त क्षेत्रीय उप श्रमायुक्त को निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि निर्धारित तिथि ३१ दिसम्बर, २०२० तक पात्र श्रमिकों के आवेदन पत्र ऑनलाइन जमा करायें, इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जायेगी। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि उ०प्र० में स्थापित २०,५०० कारखाने एवं ०६ लाख ५० हजार अधिष्ठान व प्रतिष्ठान के श्रमिकों को इन योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयास किये जाएं। श्रम कल्याण परिषद के अध्यक्ष श्री सुनील भराला आज इन्दिरा भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गोरखपुर एवं बस्ती मण्डल में श्रम कल्याण परिषद द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के प्रगति कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों के जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में चौन होने पर आर्थिक सहायता वितरण योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि मण्डलों में आयोजित होने वाली श्रमिक आयोग की बैठकों में श्रम कल्याण परिषद की योजनाओं का भी उल्लेख किया जाना सुनिश्चित किया जाए। श्री भराला ने प्रदेश के औद्योगिक अधिष्ठानों में बकाया पड़ी अनपेड धनराशि की मॉनीटरिंग करने तथा इस धन की प्राप्ति हेतु अपनायी जा रही प्रक्रिया पर अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने अनपेड मनी की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी अनपेड मनी है उसको उद्योगों से प्राप्त कर परिषद के खाते में श्रमिकों के लाभार्थ जमा कराना सुनिश्चित करायें। उन्होंने महामारी काल में परिषद द्वारा प्रस्तावित तीन नयी योजनाओं (श्रीमती महादेवी वर्मा श्रमिक पुस्तक क्रय धन योजना, स्वामी विवेकानन्द धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा योजना, मंगलाराय श्रमिक खेल पुरस्कार योजना) के संबंध में अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान गोरखपुर व बस्ती मण्डल के उप श्रमायुक्त, सहायक श्रमायुक्त एवं श्रम प्रवर्तन अधिकारियों के साथ उप श्रम कल्याण आयुक्त तथा परिषद के सदस्यगण उपस्थित थे।

बिना नो ड्यूज के निर्माण प्रभारी को पेंशन देने की कोशिशें जारी

के० के० शुक्ला

फूलबेहड़–खीरी। भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुके बेसिक शिक्षा विभाग में फैला भ्रष्टाचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवरिया में सन् २०११–१२ में अतिरिक्त कक्ष बनाने के लिए शासन से दो लाख एक हजार रूपये आया था। निर्माण प्रभारी श्रीमती रेनू सेठ ने घटिया सामग्री से अतिरिक्त कक्ष का निर्माण उस समय के भ्रष्ट शिक्षा अधिकारी की मिली भगत से करा दिया, परन्तु अभी तक अतिरिक्त कक्ष में प्लास्टर तथा दरवाजा नहीं लगाये गये। इस अतिरिक्त कक्ष के देखभाल एनपीआरसी से लगाकर बीआरसी तथा कई खण्ड शिक्षा अधिकारी चले गये परन्तु भ्रष्ट निर्माण प्रभारी ने अपने अधिकारियों को कब्जे में करके अतिरिक्त कक्ष के निर्माण में दरवाजा प्लास्टर नहीं करवाया। अब वो निर्माण प्रभारी रिटायर हो गयी हैं। परन्तु सवाल यह उठता है कि जब इन्होंने अतिरिक्त कक्ष का निर्माण पूरा नहीं कराया तो इनका वेतन तथा अन्य मद का पैसा बेसिक शिक्षा विभाग ने वेतन कैसे निकाल दिया ? बताते हैं कि रिटायरमेन्ट के बाद जब अपनी पेन्शन बनवाने के लिए यह खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय राय के पास गयी तो उन्होंने बताया अपनी प्रधानध्यापिका से किसी तरह से अतिरिक्त कक्षा का निर्माण का प्रमाण पत्र बनवाकर दें। तब मैं आपका बगैर जांच किये हम पेन्शन तथा अन्य मद का पैसा निकलवा देंगे। इसी हनक के चलते अवकाश प्राप्त शिक्षिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवरिया गयी वहां की प्रधानाध्यापक से कहा कि हमारा प्रमाण पत्र बना दें कि मैंने अतिरिक्त कक्ष पूरा बनवा दिया है परन्तु प्रधानध्यापक ने कहा कि जब तक आप अतिरिक्त कक्ष का निर्माण पूरा नहीं करायेंगी तब तक मैं लिखकर कर नहीं दूंगी। इतने में अवकाश प्राप्त शिक्षिका रेनू सेठ ने प्रधानाध्यापक से अभद्र भाषा का प्रयोग किया। सूत्र की माने तो निर्माण प्रभारी रेनू सेठ का पेन्शन बनवाने का कार्य खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय राय कर रहे हैं।

यूपी के १० जिलों में टिड्डी दल का आतंक

पलियाकलां/लखीमपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में टिड्डी दलों का आतंक फैला है। किसान परेशान हैं तो प्रशासन के भी हाथ पांव फूले हुए हैं। यूपी के १० जिलों के अलग–अलग ब्लॉक में टिड्डियों के छोटे–छोटे दलों ने किसानों की फसलों पर हमला किया है इन जिलों में टिड्डियों ने हमला किया है, उनमें झांसी, चित्रकूट, प्रयागराज, प्रतापगढ़, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़ और अम्बेडकरनगर, सुलतानपुर गोरखपुर, हरदोई और लखीमपुर खीरी का आंशिक क्षेत्र शामिल है। कृषि विभाग ने तय किया है कि जिन–जिन जिलों में टिड्डी दल बैठेंगे वहां कीटनाशक का छिड़काव किया जाएगा। टिड्डियों के हमलों के मद्देनजर इन जिलों के साथ ही उनकी सीमा से सटे हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशाम्बी, मीरजापुर, सुलतानपुर, मऊ और बलिया जिलों के कृषि विभाग के अधिकारियों को अलर्ट कर दिया गया है।

माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की होगी जांच, हर जिले में गठित होगी पांच सदस्यीय कमेटी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राजकीय और अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच की जाएगी। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला ने सभी जिलाधिकारियों को अभी तक नियुक्त हुए शिक्षकों की जांच पांच सदस्यीय कमेटी के जरिए कराने के निर्देश दिए हैं। कमेटी में जिलाधिकारी द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकीय इंटर कॉलेज के एक प्रधानाचार्य, प्रतिष्ठित अशासकीय सहायता प्राप्त स्कूल के प्रधानाचार्य और मंडलीय उप शिक्षा निदेशक शामिल होंगे। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की कई जिलों की शाखाओं में फर्जी ढंग से शिक्षिका अनामिका भर्ती हो गई थी। यह मामला सामने आने के बाद उच्च शिक्षा विभाग पहले ही शिक्षकों की जांच के आदेश दे चुका है। अब माध्यमिक शिक्षा विभाग ने भी जांच करने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रत्येक जिले में शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच के लिए जो कमेटी गठित की जाएगी, उसमें जिलाधिकारी द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकीय इंटर कॉलेज के एक प्रधानाचार्य, प्रतिष्ठित अशासकीय सहायता प्राप्त स्कूल के प्रधानाचार्य और मंडलीय उप शिक्षा निदेशक शामिल होंगे। मंडलीय उप शिक्षा निदेशक अपने मंडल के जिलों में इस कमेटी के नोडल अधिकारी होंगे। सभी प्रमाणपत्रों की जांच कर कमेटी फर्जी शिक्षकों को चिन्हित करेगी। ऐसे शिक्षकों का तत्काल वेतन रोका जाएगा और उनकी सेवाएं समाप्त की जाएंगी। सभी जिलों की कमेटियां अपनी जांच रिपोर्ट ३१ जुलाई तक शासन को भेजेंगी।

शिकारियों से कछुआ छुड़वाने पर शिकारियों ने युवकों पर किया हमला

लखीमपुर–खीरी। जनपद में आने वाले मैलानी जंगल में तमाम बेशकीमती जड़ी बूटी तथा जंगली जानवरों का पुनर्वास है तराई क्षेत्र तथा पानी की उपलब्धता के चलते जलीय वन्यजीव भी जंगल में भारी मात्रा में प्रवास करते हैं जिन्हें कुछ लोग अपने लाभ के लिए उन मासूमों के जान लेते रहते हैं इसे घटनाक्रम के अनुसार पड़रिया तुला गांव के दो युवा गगन मिश्रा तथा सुशील गुप्ता यात्रा के दौरान मैलानी जंगल से गुजरे आगे जाकर उन्हें दो संदिग्ध लोग कुछ झोले में कुछ छिपाकर कर जाते दिखे जब युवाओं ने उसे पूछा इसमें क्या है तो वह हमलावर हो गए और शिकार करने वाले हथियार से हमला करने का प्रयास किया लेकिन तभी किस्मत के चलते डायल हंड्रेड की गाड़ी मौके से गुजरी जिसे देखकर दोनों शिकारी जंगल के अंदर भागने लगे लेकिन युवाओं ने छोले को पकड़े रखा और उसे छीन लिया देखने पर पता चला कि झोले में में एक जीवित कछुआ छुपाया गया था जिसे झोले से निकालकर युवाओं ने दोबारा जंगल के तालाब में छोड़ दिया जब यह बात सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो उन युवाओं को काफी प्रशंसा मिल रही है।।

चाकू मारकर किया लहूलुहान

अमेठी। जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पूरे सिद्धि औरंगाबाद गाँव में मामूली कहासुनी में दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने एक युवक को चाकुओं से गोदकर लहूलुहान कर दिया। आनन–फानन में परिजनों ने घायल को सीएचसी मुसाफिर खाना पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने घायल युवक को लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में में हैदरगढ़ के पास युवक ने दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पूरे सिद्धि औरंगाबाद गाँव में रविवार दोपहर धान के खेत में पानी लगाते समय दो पक्षों में कहासुनी हो गई। जिसके बाद मौके पर पहुँची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझा कर शांत करवा दिया. लेकिन शाम होते ही एक बार फिर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें एक युवक ने हंसराज पासी (२२) पुत्र राम जियावन नाम के युवक को चाकू से गोदकर लहूलुहान कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने घायल को सीएचसी मुसाफिरखाना पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने युवक को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय घायल युवक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। जिसके बाद से गांव में तनाव का माहौल है।

दस बोरी यूरिया खाद सहित एसएसबी ने दो तस्करों को दबोचा

के० के० शुक्ला

पलिया कलां खीरी। भारत नेपाल सीमा पर दोनों देशों में कोरोनावायरस के संकट में भी खाद की तस्करी जोरों पर है। बार्डर के नजदीक गांवों में खाद यूरिया व डीएपी के बड़े बड़े गोदाम मौजूद हैं लेकिन एसएसबी व पुलिस उच्चाधिकारियों को अपना गुड वर्क दिखाने के लिए पांच दस बोरी खाद पकड़ कर वाहवाही लूटने की जुगत में है। इसी क्रम में एसएसबी जवानों ने भारत–नेपाल सीमा पर दो तस्करों संग दस बोरी यूरिया खाद पकड़ी जिसे वह नदी पार कर अपने रिश्तेदारों को देने जा रहे थे। आपको बता दें कि भारत और नेपाल में रोटी बेटी के संबंध होने के चलते तमाम भारतीय किसान भारत नेपाल के बॉर्डर पर नेपाल की ओर खेती करते हैं। भारत नेपाल बॉर्डर के गौरीफंटा कोतवाली में ३६ वी वाहिनी एसएसबी ने २ लोगों के पास १० बोरी यूरिया बरामद की साथ ही तस्करों के पास से एक साइकिल और एक दो पहिया वाहन भी बरामद किया गया है। आपको बता दें एसएसबी इंस्पेक्टर मेघराज ने बताया कि पिलर संख्या ७३८ के पास अवैध रूप से भारत से नेपाल जा रहे फर्टिलाइजर खाद की १० बोरियां, साइकिल, सैमसंग मोबाइल और टीवीएस मोटर साइकिल पकड़ी गई कुल सामान की अनुमानित कीमत लगभग पचास हजार रुपए आंकी जा रही हैप् इस अवैध सामान के साथ दो तस्करों को भी पकड़ा गया है, जिनके नाम शिव कुमार पुत्र छत्रपाल और भजनलाल राणा पुत्र संचाराम बताया गया है। एसएसबी ने यह सभी सामान पलिया कस्टम के सुपुर्द कर दिया है।

कोरोना पॉजिटिव 58 वर्षीय महिला भर्ती के लिए चौराहे पर बैठी

लखनऊ। ५८ वर्षीय महिला ने निजी लैब में टेस्ट कराया। जांच में कोरोना निकलने पर घबरा गईं। भर्ती के लिए चौराहा पर आकर बैठ गईं। वहीं, कोरोना रिपोर्ट दिखाकर भर्ती न करने का आरोप लगाया। ऐसे में आस–पास निकल रहे लोग घबरा रहे। पुलिस ने हेल्थ टीम को फोन कर महिला को अस्पताल भेजा।चौक के एक निजी लैब में महिला में कोरोना की पुष्टि हुई। वहीं, पजिटिव रिपोर्ट मिलने पर महिला चौपटिया चौराहे पर आकर बैठ गई। महिला का रिपोर्ट के साथ बैठे देख आस–पास के गुजर रहे लोगों ने कारण पूछा। ऐसे में खुद को कोरोना पॉजिटिव बताया। यह सुनकर राहगीर घबरा गए। लोगों में संक्रमण फैलने का खतरा मंडराने लगा। ऐसे में कटरा बिजन बेग पुलिस चौकी के पास मामला पहुंचा। इसके बाद पुलिस

ने हेल्थ कर्मियों से संपर्क साधा। एंबुलेंस से महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला का आरोप है कि पजिटिव आने के घंटों बाद भी सीएमओ के यहां से टीम भर्ती के लिए नहीं आई। यहियागंज भीमनगर से कोरोना मरीज मिलने पर दहशत फैल गई। मरीज के पड़ोसियों ने इसकी सूचना सीएमओ कंट्रोल रूम को दी। आरोप है कि २० घंटे बाद तक स्वास्थ्य विभाग की टीम मरीज को लेने नहीं पहुंची। ऐसे ही कई और मरीज कंट्रोल रूम फोन करते रहे। मगर, उन्हें समय पर अस्पताल में भर्ती नहीं कराया जा सका।मरीजों की शिफ्टिंग के लिए ३० एंबुलेंस लगी हैं। मगर, कई दिनों से लगातार डेढ़ सौ से ऊपर मरीज पॉजिटिव आ रहे हैं। ऐसे में व्यवस्था बेपटरी हो गई। संक्रमण की पुष्टि के बाद भी मरीज १२ से २० घंटे तक मरीज घर में रहने को मजबूर हैं। उसका शिफ्टिंग के लिए नंबर समय पर नहीं आ पा रहा है। उधर, लोहिया संस्थान, साढ़ामऊ, लोकबंधु अस्पताल मरीजों से फुल रहा।

बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

बिजुआ–खीरी। कस्बे सहित समूचे क्षेत्र में सूर्यदेव कहर बरपा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ रात दिन भयंकर गर्मी में थोड़ी बहुत राहत मिलने की उम्मीद बिजली आने से बनी रहती है , लेकिन वह भी कर्मचारियों की लापरवाही के वजह से नहीं मिल रही है। गर्मी के मौसम में बिजली की अंधाधुंध कटौती के चलते कस्बेवासियों सहित कस्बे के कई दर्जन गांवों के ग्रामीणों का जीना बेहाल है। बिजली की बार–बार कटौती एवं कम वोल्टेज ने लोगों की रात की नींद व दिन का चौन छीन लिया है।

कोरोना संक्रमित हुए जवान निभा रहे अब डबल फर्ज

लखनऊ। कोरोना संक्रमित हुए जीआरपी के जवान ड्यूटी के साथ–साथ एक–एक कर केजीएमयू को प्लाज्मा दान कर रहे हैं। सोमवार को दो और जवानों ने प्लाज्मा डोनेट किया। वहीं, केजीएमयू से एक यूनिट प्लाज्मा बीएचयू भेजा गया। यहां भर्ती गंभीर मरीज को चढ़ा भी दिया गया प्रवासी मजदूरों के ट्रेनों से लौटने के दौरान जीआरपी जवानों की ड्यूटी लगी थी। इस दौरान कई जवान संक्रमित हो गए। अब वह ठीक होकर मरीजों की जिंदगी बचाने का फैसला किया। अब तक पांच जवान प्लाज्मा दान कर चुके हैं। वहीं, सोमवार को अफताब अहमद, अजय प्रताप सिंह ने प्लाज्मा दान किया। ब्लड ट्रांफ्यूजन मेडिसिन विभाग की अध्यक्ष डॉ. तूलिका चंद्रा के मुताबिक, अब तक १६ यूनिट प्लाज्मा संग्रह किया गया। वहीं, रविवार रात को एक यूनिट प्लाज्मा बीएचयू भेजा गया है। यहां भर्ती गंभीर मरीज को छह घंटे के अंदर चढ़ा दिया गया है। केजीएमयू में आइसीएमआर ट्रायल के तहत अब तक सात मरीजों को प्लाज्मा चढ़ाया गया है। वहीं, आइसीएमआर ट्रायल के अलग दो मरीजों को प्लाज्मा थेरेपी दी गई है। इसमें एक उरई निवासी डॉक्टर रहे। दूसरे, गंभीर मरीज को जल्द प्लाज्मा चढ़ाया गया है।

सूचना

बेसिक विद्यालय थरी, माल, लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय थरी, माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक–16-07-2020 से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– 20-07-2020 को समय प्रातः 10 बजे से 12 बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय थरी माल
लखनऊ।

सूचना

बेसिक विद्यालय अहिंदर, माल, लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय अहिंदर माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक–16-07-2020 से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– 20-07-2020 को समय प्रातः 10 बजे से 12 बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय अहिंदर, माल,
लखनऊ।
मो०न०-7518614586

सूचना

बेसिक विद्यालय गोपालपुर वि०खां०, माल, लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय गोपालपुर वि० खां० माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक–16-07-2020 से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– 20-07-2020 को समय प्रातः 10 बजे से 12 बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय गोपालपुर वि०खां०,माल,
लखनऊ।

सूचना

बेसिक विद्यालय ऑटगढ़ी सौंरा माल लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय ऑटगढ़ी सौंरा माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक–16-07-2020 से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– 20-07-2020 को समय प्रातः 10 बजे से 12 बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय ऑटगढ़ी सौंरा
लखनऊ।

सूचना

प्राथमिक विद्यालय जमुलिया माल लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु प्राथमिक विद्यालय जमुलिया माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक–16-07-2020 से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– 20-07-2020 को समय प्रातः 10 बजे से 12 बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय जमुलिया माल
लखनऊ।

सूचना

बेसिक विद्यालय मुड़ियारा माल लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय मुड़ियारा माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक–16-07-2020 से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– 20-07-2020 को समय प्रातः 10 बजे से 12 बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय मुड़ियारा
माल लखनऊ।

दुनिया भर में संक्रमितों की संख्या में कमी आई!

नई दिल्ली। दुनिया भर में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या में लगातार दूसरे दिन कमी आई। रविवार को एक दिन में ढाई लाख मामले सामने आए थे उसके बाद सोमवार और मंगलवार को इसमें गिरावट आई। सोमवार को दो लाख और मंगलवार को डेढ़ लाख से थोड़े ज्यादा नए मामले आए। भारतीय समय के मुताबिक मंगलवार को रात नौ बजे तक २४ घंटे में एक लाख ६५ हजार नए मामले आए। इसके बाद दुनिया भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ कर एक करोड़ ३२ लाख ८० हजार से ज्यादा हो गई। मंगलवार की शाम तक इलाज से ठीक होने वालों की संख्या ७७ लाख ५० हजार से ऊपर पहुंच गई। दुनिया भर में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के बीच संक्रमण

से मरने वालों की संख्या में हर दिन औसतन तीन से पांच हजार की बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार की शाम तक २४ घंटे में दुनिया भर में चार हजार से कुछ ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों का आंकड़ा पांच लाख ७६ हजार से ज्यादा हो गया। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिकी में संक्रमितों की संख्या में मंगलवार को थोड़ी कमी आई। भारतीय समय के मुताबिक मंगलवार की शाम नौ बजे तक अमेरिका में पिछले २४ घंटे में ४५ हजार से ज्यादा संक्रमित मिले, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर ३४ लाख ८१ हजार से ज्यादा हो गई थी। मंगलवार की शाम तक अमेरिका में एक लाख ३८ हजार २६१ लोगों की मौत हो चुकी थी। पिछले २४ घंटे में ४४१ लोगों की मौत हुई। अमेरिका के बाद दूसरे सबसे ज्यादा प्रभावित ब्राजील में संक्रमितों की संख्या में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन संक्रमितों की संख्या में कमी आई। वहां संक्रमितों की संख्या १८ लाख ८८ हजार से कुछ ज्यादा हो गई है। ब्राजील में मंगलवार की शाम तक २४ घंटे में २२ हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए। वहां मरने वालों की संख्या ७२,६५० हो गई है। चौथे सबसे ज्यादा संक्रमित देश रूस में संक्रमितों की संख्या में कमी हुई। मंगलवार की शाम तक रूस में ६,२४८ नए संक्रमित मिले। अब वहां संक्रमितों की संख्या ७,३६,६४७ हो गई है। देश में मरने वालों की संख्या ११,६१४ हो गई है।

पायलट ने तोड़ी चुप्पी, कहा सच पराजित नहीं हो सकता

जयपुर। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाए जाने के बाद कांग्रेस के बागी नेता सचिन पायलट ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि सच परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता। पायलट ने ट्वीट किया, सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन

पराजित नहीं। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस के मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला की घोषणा के बाद आई है। सुरजेवाला ने कहा कि पायलट को राजस्थान के उपमुख्यमंत्री के पद और राजस्थान कांगेस अध्यक्ष पद के भार से फौरी तौर पर मुक्त कर दिया गया है। सुरजेवाला ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने पायलट को करीब ३० साल की उम्र में केन्द्रीय मंत्री बनाया और ४० की उम्र में उपमुख्यमंत्री बनाया। उन्होंने कहा, हमने पायलट को कई अवसर दिए हैं। वह एक सांसद, केंद्रीय राज्य मंत्री और एक राज्य में पार्टी अध्यक्ष रहे हैं। मुझे दुख है कि पायलट और उनके कुछ सहयोगी भाजपा द्वारा बिछाए गए जाल में फंस गए हैं .. यह अस्वीकार्य है। राजस्थान में संकट की शुरुआत शनिवार को हुई जब पायलट और उनके वफादार विधायकों के संपर्क से कट जाने के बाद हुई। पूर्व केंद्रीय मंत्री और दिग्गज कांग्रेसी नेता राजेश पायलट के बेटे सचिन पायलट ने कल और आज कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की दो महत्वपूर्ण बैठकों में भाग नहीं लिया।

सुप्रीम कोर्ट में रामपाल की पैरोल अर्जी खारिज

नई दिल्ली। हरियाणा के सतलोक आश्रम के प्रमुख संत रामपाल की नातिन की शादी में शामिल होने की तमन्ना उस वक्त अधूरी रह गयी, जब उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उनकी पैरोल संबंधी अर्जी खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पीठ ने रामपाल की अर्जी खारिज करते हुए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। रामपाल ने अपनी नातिन तमन्ना की १५ जुलाई को रोहतक में होने वाली शादी में शामिल होने के लिए एक सप्ताह की पैरोल दिए जाने की मांग उच्च न्यायालय से की थी, लेकिन वहां से उन्हें कोई राहत नहीं मिली। हालांकि उनके बेटे वीरेंद्र को तीन सप्ताह की अंतरिम राहत दी गयी है। रामपाल ने उच्च न्यायालय के निर्णय को शीर्ष अदालत में इसी आधार पर चुनौती दी थी कि उच्च न्यायालय ने उनके बेटे को तो राहत दी लेकिन उनकी अर्जी खारिज कर दी जो असमानता का निर्णय है। शीर्ष अदालत ने अर्जी पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए इसे खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि संत रामपाल, उनके बेटे एवं अन्य १३ लोग वर्ष २०१४ में हिसार के आश्रम में हुई हिंसा, हत्या और आपराधिक साजिश के मामले में जेल की सजा काट रहे हैं।

पद्मनाभस्वामी मंदिर का प्रबंधन शाही परिवार को मिला

नई दिल्ली। केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर का प्रबंधन एक बार फिर त्रावणकोर के शाही परिवार को मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल हाई कोर्ट का ३१ जनवरी २०११ का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें राज्य सरकार से प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर की पूंजी और प्रबंधन का नियंत्रण लेने के लिए न्यास बनाने को कहा गया था। सर्वोच्च अदालत ने केरल के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रशासन में त्रावणकोर शाही परिवार के अधिकारों को बरकरार रखा। जस्टिस यूयू ललित की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि अंतरिम कदम के तौर पर मंदिर के मामलों के प्रबंधन वाली प्रशासनिक समिति की अध्यक्षता तिरुवनंतपुरम के जिला जज करेंगे। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। इनमें से एक याचिका

त्रावणकोर शाही परिवार के कानूनी प्रतिनिधियों ने दायर की थी। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर को देश के सबसे धनी मंदिरों में गिना जाता है। इस भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण १८वीं सदी में इसके मौजूदा स्वरूप में त्रावणकोर शाही परिवार ने कराया था, जिन्होंने १९४७ में भारतीय संघ में विलय से पहले दक्षिणी केरल और उससे लगे तमिलनाडु के कुछ भागों पर शासन किया था।

तबलीगी जमात मामले में सुनवाई 24 जुलाई तक टली

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजधानी दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले विदेशी जमातियों को काली सूची में डाले जाने केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई २४ जुलाई तक के लिए आज टाल दी। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की खंडपीठ ने सलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर सुनवाई अगले सप्ताह तक टालने का निर्णय लिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने हालांकि इस पर कोई आपत्ति नहीं की। उन्होंने केवल इतना कहा कि इस मामले में एक नजदीकी तारीख दी जा सकती है। इसके बाद खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए २४ जुलाई की तारीख मुकर्रर कर दी। गत दो जून को हुई सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि वह विदेशी जमातियों को स्वदेश भेजने के मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी, बल्कि केवल काली सूची में डाले जाने के मुद्दे पर ही सुनवाई करेगी। केंद्र सरकार ने भी न्यायालय को बताया था कि विदेशी जमातियों की स्वदेश वापसी तब तक नहीं हो सकेगी, जब तक उनके खिलाफ भारत के किसी भी राज्य में दर्ज आपराधिक मुकदमों की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। गौरतलब है कि कोरोना को लेकर केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों और राज्य सरकारों एवं पुलिस के आदेश का उल्लंघन करने पर हजारों जमातियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज किये गये थे जिनकी सुनवाई अदालतों में लंबित है। केन्द्र सरकार ने हजारों जमातियों को ब्लैकलिस्ट करके उनके वीजा रद्द कर दिए थे, जिनमें से ३४ विदेशी जमातियों ने सरकार के इस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं दायर की हैं।

राहुल ने उठाया चीन और कोरोना का मुद्दा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को एक बार फिर कोरोना वायरस और चीन की घुसपैठ का मुद्दा उठाया। उन्होंने इन दोनों मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने सोमवार

को बिना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए कहा कि वे सो रहे हैं और भारत इसकी कीमत चुका रहा है। ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट को शेयर करते हुए राहुल ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। खबरों में दावा किया गया था कि सीमा पर चीन ने जो कुछ भी किया, उसके लिए उसने पहले से ही योजना बना रखी थी। इस खबर को राहुल ने ट्विटर पर शेयर किया। गौरतलब है कि भारत–चीन के बीच करीब दो महीने तक तनाव रहा और १५ जून को गलवान घाटी में दोनों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी, जिसमें २० भारतीय जवान शहीद हो गए थे। मगर उसके बाद दोनों देशों में कई स्तर की वार्ता हुई है, जिसके बाद दोनों पक्ष तनाव घटाने वाले कदम उठा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए और पूछा कि क्या इस लड़ाई में हमारी स्थिति अच्छी है। उन्होंने भारत, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड सहित कुछ देशों में कोरोना के मामलों को लेकर एक तुलनात्मक ग्राफ दिया है और भारत में कोरोना की स्थिति को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने कोविड संक्रमण में बढ़ोतरी का आंकड़ा देते हुए ट्वीट किया–क्या कोविड–१९ के खिलाफ लड़ाई में भारत अच्छी स्थिति में है?

पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर बारिश

लखनऊ। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर बारिश उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बीते २४ घंटे के दौरान कई जगहों पर कहीं कम तो कहीं ज्यादा बारिश हुई जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर हल्की वर्षा हुई। मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं–कहीं आंधी पानी आया और अगले २४ घंटे के बारे में अनुमान है कि राज्य के पूर्वी हिस्से में कई जगहों पर तेज हवाओं के साथ पानी बरस सकता है। विभाग ने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं–कहीं बारिश का अनुमान है। विभाग के अनुसार १६ और १७ जुलाई को भी राज्य के कई हिस्सों में आंधी–पानी आ सकता है।

भगवान राम पर नेपाली पीएम के बयान से भड़के अयोध्या के संत और विहिप

अयोध्या। नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के भगवान राम पर दिये गये बयान पर अयोध्या के संतों और विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने नाराजगी जताई है। संतों ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया में कहा कि अयोध्या और भगवान राम का इतिहास पूरी दुनिया को पता है। यह सर्वविदित है इसका इतिहासों, पुराणों में उल्लेख है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा, ष्भगवान राम चक्रवर्ती सम्राट थे। नेपाल सहित अनेक देश उनके संरक्षण में रहे। अयोध्या के संबंध नेपाल से त्रेता युग से हैं। आज भी अयोध्या से बारात जनकपुर जाती है। लाखों वर्ष पुरानी परंपरा चली आ रही है। लाखों वर्ष पुरानी परंपरा और सनातनी व्यवस्था के खिलाफ बोलना उचित नहीं है। इसे रामभक्त बर्दाश्त करने वाले नहीं हैं। नेपाली प्रधानमंत्री का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें इस पर माफी मांगनी चाहिए। भगवान राम उन्हें सद्बुद्धी दें। अयोध्या तो वेद वर्णित है। इसका उल्लेख विदेशी ग्रन्थों में है। भगवान राम सर्व समाज के हैं। कण–कण में व्याप्त हैं।' हनुमान गढ़ी के महंत राजूदास ने कहा, ष्नेपाली प्रधानमंत्री का बयान इतिहास के विपरीत है। चायना के साये में चल रहे ओली की बुद्धि भ्रष्ट हो गयी है। इसलिए अनाप–सनाप बोल रहे हैं। नेपाली नगरिकों की भारत में आस्था है। भगवान राम वेद, उपनिषद ग्रन्थों में हर जगह व्याप्त है। नेपाली प्रधानमंत्री को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।' विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अम्बरीश कुमार ने कहा, ष्भगवान राम का जन्म स्थल अयोध्या है। इसकी व्याख्या इतिहासों और पुराणों में है। राम के प्रति करोड़ों हिन्दुओं की आस्था है। नेपाली प्रधानमंत्री का दिमाग स्वस्थ नहीं है। इसलिए वह कुछ भी बोल सकते हैं। उनसे कोई भी कुछ बुलवा सकता है। भगवान राम वेद, रामायण या पुराण में देख लीजिए, उसमें साफ लिखा है कि जहां सरयू है, वहां अयोध्या है। इसलिए उन्हें अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए।' विहिप के प्रवक्ता शरद शर्मा ने कहा, ष्नेपाली प्रधानमंत्री ओली का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है। इसीलिए वह भारत के साथ रोटी–बेटी के संबंधों को पलीता लगाने में जुटे हैं। भगवान राम के बारे में उन्हें इतिहास, वेद पुराण और अन्य धर्मग्रन्थों को उठाकर देखना चाहिए, तब पता चल जाएगा। उनका बयान निंदनीय है। इसकी उपेक्षा की जानी चाहिए।' हनुमान गढ़ी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के महंत रामदास ने कहा कि नेपाली प्रधानमंत्री चाइना के दबाव में अर्नगल प्रलाप कर रहे हैं। उनकी सरकार को इस समय वहां खुद खतरा है। ऐसे में वह पहले अपनी सरकार बचाएं। फिर अनाप–शनाप बोलें। वह हिन्दु धर्म की आस्था को चोट पहुंचाने वाले बयान पर माफी मांगें। गौरतलब है कि नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने काठमांडु में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ष्अयोध्या असल में नेपाल के बीरभूमि जिले के पश्चिम में स्थित थोरी शहर में है। भारत दावा करता है कि भगवान राम का जन्म वहां हुआ था। उसके इसी लगातार दावे के कारण हम मानने लगे हैं कि देवी सीता का विवाह भारत के राजकुमार राम से हुआ था। जबकि असलियत में अयोध्या बीरभूमि के पास स्थित एक गांव है। नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने भारत पर सांस्तिक अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए कहा, भारत ने एक नकली अयोध्या का निर्माण किया है।' उन्होंने दावा किया कि बाल्मिकी आश्रम नेपाल में है और वह पवित्र स्थान जहां राजा दशरथ ने पुत्र के जन्म के लिए यज्ञ किया था वह रिदि है। उन्होंने कहा कि दशरथ पुत्र राम एक भारतीय नहीं थे और अयोध्या भी नेपाल में है। ओली ने अजीबोगरीब दलील देते हुए कहा कि जब संचार का कोई तरीका ही नहीं था तो भगवान राम सीता से विवाह करने जनकपुर कैसे आए?

कल से मदरसों में ऑनलाइन शिक्षण कार्य आरम्भ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, राजनैतिक पेंशन, नागरिक उड्डयन मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा है कि जनहित और छात्रों के व्यापक हित तथा समस्त मदरसों के सत्र नियमित रखने के उद्देश्य से शासन द्वारा सम्यक विचार के उपरान्त १५ जुलाई २०२० से ऑनलाइन के माध्यम से शिक्षण तथा नये सत्र में प्रवेश आदि के कार्य हेतु प्रधानाचार्य द्वारा शैक्षणिक तथा शिक्षणेत्तर कार्मिकों को सहयोग हेतु बुलाए जाने की शासन द्वारा कतिपय शर्तों के साथ अनुमति प्रदान की गयी है। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में विधिवत शासनादेश अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ श्री मनोज सिंह की ओर से जारी कर दिया गया है। शासनादेश में बताया गया है कि शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कार्मिकों में कोविड–१९ के संक्रमण से बचाव हेतु प्रतिदिन नियमित रूप से मदरसा भवन, फर्नीचर आदि को पूर्णतः सेनेटाइज कराया जाए। मदरसा आने वाले शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों के प्रवेश से पूर्व थर्मल स्कैनिंग सुनिश्चित की जाए। यदि किसी कार्मिक का तापमान सामान्य से अधिक हो तो उसे मदरसे में प्रवेश न दिया जाए तथा इसकी सूचना सम्बन्धित मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल उपलब्ध करायी जाए। कोविड–१९ से बचाव हेतु सेनेटाइजर तथा नियमित हैण्डवाश हेतु साबुन आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कोविड–१९ के संक्रमण से बचाव हेतु भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत समस्त दिशा–निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जुलाई के उपरान्त यथाशीघ्र शिक्षक–अभिभावक संघ की बैठक आहूत की जाए, जिसमें ऑनलाइन पठन–पाठन की व्यवस्था से उन्हें अवगत कराते हुए ऑनलाइन पठन–पाठन हेतु प्रेरित किया जाए। ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली के प्रभावी संचालन हेतु अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को **Webinars** तथा **Online tutorial** इत्यादि के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नवीन सत्र हेतु विद्यार्थियों के प्रवेश की कार्यवाही कोविड–१९ के संक्रमण से बचाव हेतु भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत दिशा–निर्देशों एवं सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए की जाए। प्रत्येक कक्षा हेतु प्रतिदिन निर्धारित कक्षावारध्विषयवार समय–सारिणी बनाकर अधिकतम १५–०७–२०२० तक ऑनलाइन शिक्षण का कार्य प्रारम्भ किया जाए। श्री नंदी ने बताया कि राजस्व विभाग के शासनादेश सं–१६५एक–११–२०२० दिनांक २४.०३.२०२० द्वारा भारत सरकार के आपदा प्रबंधन अधिनियम २००५ संपठित उ०प्र० आपदा प्रबंधन अधिनियम २००५ की धारा–२(जी) के अन्तर्गत कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को आपदा घोषित किया गया है। कोरोना वायरस के संक्रमण के दृष्टिगत घोषित लॉकडाउन के कारण मदरसे बन्द हैं। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश सं०–४०–३०–२०२०–डीएम०–१(ए) दिनांक २६.०६.२०२० द्वारा कोविड–१९ के दौरान अनलॉक–२ के सम्बंध में गतिविधियों को प्रारम्भ किये जाने के सम्बंध में विस्तृत दिशा–निर्देश निर्गत किये गये हैं।

आठवले ने शरद पवार को दिया एनडीए में आने का सुझाव

नई दिल्ली। मोदी सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री राम दास आठवले ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मुखिया शरद पवार को एनडीए में शामिल होने का सुझाव दिया है। आठवले ने कहा है कि इससे देश और महाराष्ट्र दोनों का विकास होगा। शरद पवार के साथ आने पर महाराष्ट्र में भाजपा, राकांपा और आरपीआई का महागठबंधन बनेगा। महाराष्ट्र के राज्यसभा सदस्य और एनडीए के सहयोगी दल रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष आठवले ने आईएएनएस से कहा, 'शिवसेना को सपोर्ट करने में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को कोई फायदा नहीं है। महाराष्ट्र के विकास के लिए केंद्र से ज्यादा से ज्यादा पैसा मिलना चाहिए। इसलिए शरद पवार को एनडीए के साथ आने पर विचार करना

चाहिए। अगर ऐसा होता है तो महाराष्ट्र में भाजपा, राकांपा और आरपीआई की महायुति बनेगी।' आठवले ने कहा, शरद पवार महाराष्ट्र के बड़े नेता हैं। उन्हें किसानों, दलित, आदिवासी और ओबीसी की समस्याओं के बारे में जानकारी है। वह देश के कृषि मंत्री रहे हैं। ऐसे में मेरा निवेदन है कि उन्हें देश के विकास के लिए नरेंद्र मोदी के साथ आना चाहिए। ऐसा मेरा व्यक्तिगत मत है। महाराष्ट्र में भाजपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और आरपीआई की महायुति बनेए ऐसी मेरी व्यक्तिगत इच्छा है। बता दें कि २०१६ के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में बीजेपी और शिवसेना ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। दोनों दलों को क्रमशरू १०५ और ५६ सीटें मिलीं थीं। लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर हुए विवाद पर शिवसेनाए भाजपा से अलग होकर कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से सरकार बनाने में सफल हुई थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास ५४ और कांग्रेस के पास ४४ विधायक हैं। राज्य में निर्दलीयों के पास १३ और दो विधायक एआईएमआईएम के पास हैं। सरकार के अंदर बीते दिनों खींचतान की खबरें आने के बाद सियासी गलियारे में यह अटकलें लग रही थीं कि कहीं शरद पवार की पार्टी बीजेपी के साथ जाने का फैसला न कर लें। हालांकि एनसीपी ऐसी खबरों को अब तक खारिज करती रही है। लेकिन, मोदी सरकार के मंत्री और महाराष्ट्र के राज्यसभा सदस्य रामदास आठवले की ओर से पवार को एनडीए में आने का सुझाव देने से सियासी सरगर्मी बढ़ गई है।

गांगुली को पछाड़ धोनी बने भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरभ गांगुली को एक सर्वे में मामूली

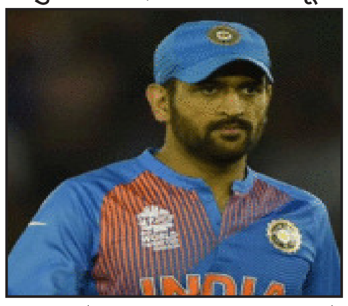

अंतर से पछाड़कर भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान चुने गए हैं। गांगुली और धोनी दोनों ही भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक रहे हैं और दोनों के ही नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई बार यादगार जीत हासिल की है। गांगुली की कप्तानी में जहां भारतीय टीम २००३ में विश्वकप की उपविजेता बनी थी जबकि धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने २०११ में विश्वकप का खिताब जीता था। धोनी के नेतृत्व में भारतीय टीम ने २००७ टी–२० विश्वकप और २०१३ में चौंपियंस ट्राफी का खिताब भी जीता था। गांगुली और धोनी के बीच स्टार स्पोर्ट्स ने आठ वर्ग में सर्वे किया और हर वर्ग का औसत निकाला गया। गांगुली ने विदेशी जमीन पर कप्तानी, टीम पर कप्तानी का परिवर्तनकारी प्रभाव, अगले कप्तान को सफल टीम सौंपना और ओवरअल प्रभाव वर्ग में धोनी को पछाड़ा जबकि धोनी घर में कप्तानी, वनडे कप्तानी, खिताब जीतना और टीम के कप्तान के रुप में बल्लेबाज के तौर पर खेलना जैसे वर्ग में गांगुली से आगे रहे। ग्रीम स्मिथ, कुमार संगकारा, गौतम गंभीर, इरफान पठान और ष्णामाचारी श्रीकांत जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने इस सर्वे में भाग लिया। दुनियाभर से खिलाड़ियों, लेखक और प्रसारकों की जूरी ने आठ वर्ग में हर एक खिलाड़ी को १० में से अंक दिए।

गांगुली ने धोनी के लिए मजबूत नींव रखी : संगकारा

मुंबई। भारत के दो दिग्गज पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी के बीच बेहतर कप्तान को लेकर चर्चा जोरों पर है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने हाल ही में कहा था कि गांगुली ने कड़ी मेहनत से टीम तैयार की थी। इसी का नतीजा था कि धोनी इतनी सारी ट्रॉफियां जीतने में सफल रहे। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड पर गांगुली और धोनी को लेकर जारी चर्चा के बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा और गंभीर ने अपनी अपनी बात कही। स्मिथ ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे लिए दादा (सौरव गांगुली) और धोनी की कप्तानी के बीच का अंतर धोनी हैं। मैं सोचता हूं कि बीच के ओवरों में उनके अंदर जो मैच को अंत तक ले जाने, जीतने और आराम

से फिनिश करने की क्षमता है, वो इसे अपने आस पास के सभी लोगों के अंदर लाते हैं। मैं जब उनके बारे में सोचता हूं तो इन दोनों हीरो के बीच का फर्क धोनी खुद हैं। संगकारा ने कहा, आप काफी सारी चीजों को तय कर सकते हैं, लेकिन कभी कभी आपको कुछ चीजों को पीछे छोड़ना पड़ता है। मुझे लगता है इस मामले में दादा ने काफी मेहनत की। एक शानदार टीम तैयार करने और इसे दूसरों के लिए छोड़ने में जैसे धोनी, जिनको इसका भरपूर फायदा मिला। धोनी, असाधारण खिलाड़ी, अविश्वसनीय कप्तान और फिर उन्होंने भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाया है। लेकिन मेरे लिए उन सभी की नींव दादा ने रखी। गंभीर ने कहा, निश्चित रूप से, दोनों ही कप्तानों ने भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने का काम किया। लेकिन असर छोड़ने के लिहाज से देखूं तो मैं सिर्फ धोनी के बारे में बात करूंगा क्योंकि वह भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए काफी ज्यादा गंभीर रहे।

बीसीसीआई को गुप्ता के मेल की जांच करनी चाहिए : आदित्य वर्मा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता को कई क्रिकेटरों के खिलाफ हितों के टकराव का मामला उठाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने शुक्रवार को ज्योतिरादित्य सिंधिया और संजय जगदाले को एक मेल भेजा था। गुप्ता ने स्वीकार किया है कि उन्हें कई लोगों ने ड्राफ्ट मेल के लिए कहा था। अब आईपीएल के याचिकाकर्ता आदित्य वर्मा का मानना है कि बीसीसीआई को तुरंत इस मामले की जांच करनी चाहिए। वर्मा ने बात करते हुए कहा कि यह न केवल एमपीसीए में गुप्ता के मेल को लेकर है बल्कि उन मेल के बारे में भी जोकि गुप्ता ने मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों को लेकर किया है। वर्मा ने कहा, यह (मेल) संजीव गुप्ता द्वारा निश्चित रूप से स्वीकार किया गया है कि वह अपने एसोसिएशन में व्यक्तियों के खिलाफ तुच्छ मुद्दों को उठाने का काम कर रहा है और वही चीजें जो उन्हें बीसीसीआई में भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह न्याय के प्रशासन के साथ हस्तक्षेप है और यह न केवल बीसीसीआई और राज्य संघों के काम को बाधित कर रहा है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की ईमानदारी से लागू करने के साथ भी खेल रहा है, जिससे असंतुष्ट लोग उक्त आदेशों

का दुरुपयोग कर रहे हैं और इस तरह के दुरुपयोग के लिए संजीव गुप्ता उनके हथियार बन गए है। वर्मा ने कहा, अदालत को इस गंभीर मामले की जांच का आदेश देना चाहिए। मैं सौरव गांगुली और जय शाह से भी अनुरोध करता हूं कि वे इसकी जांच के लिए तुरंत एक पैनल का गठन करें और देखें कि इसके पीछे कौन है। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें जो बीसीसीआई, इसके पदाधिकारियों, क्रिकेटरों और अन्य राज्य संघों को दागदार करने में लोगों की मदद कर रहे हैं।

कोविड–१६ के कारण शिकागो मैराथन रद्द

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस महामारी के कारण शिकागो मैराथन रद्द कर दी गई है। मैराथन का आयोजन इस साल ११ अक्टूबर को होनी थी। आयोजकों ने एक बयान में कहा, कोविड–१६ महामारी के कारण ११ अक्टूबर को होने वाली शिकागो मैराथन को धावकों, दर्शकों और स्वयंसेवकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए रद्द कर दी गई है। २०२० मैराथन और इंटरनेशनल शिकागो ५के के पंजीत प्रतिभागियों के पास अपनी प्रवेश के लिए धन राशि वापस प्राप्त करने या भविष्य की दौड़ (२०२१, २०२२ या २०२३) के लिए अपनी जगह और प्रवेश शुल्क को अदा करने का विकल्प होगा। इससे पहले, एक नवंबर को होने वाली न्यूयार्क सिटी मैराथन को भी जून में रद्द कर दिया गया था। अब इसका आयोजन अगले साल सात नवंबर को होगा।

टोरिनो को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा इंटर मिलान

रोम। इटालियन क्लब एसी मिलान ने सेरी–ए लीग में अपना अजेयक्रम जारी रखते हुए टोरिनो को ३–१ से हराकर लीग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

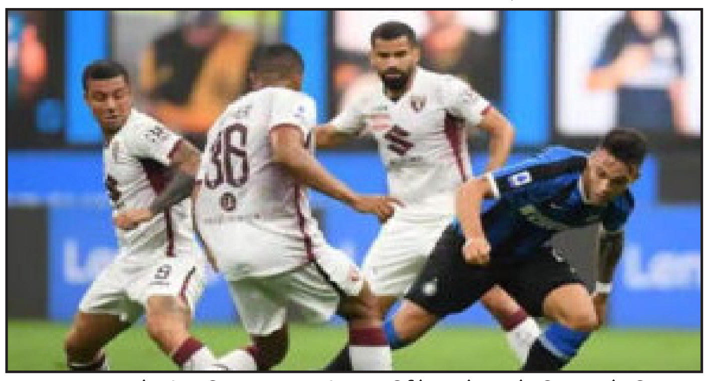

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टोरिनो के लिए आंद्रिया बेलोटी ने १७वें मिनट में गोलकीपर समीर हैंडानोविच की गलती का फायदा उठाकर गोल दाग दिया और टोरिनो ने इस बढ़त को हाफ टाइम तक कायम रखा। हाफ टाइम के बाद एश्ले यंग ने ४८वें मिनट में गोल करके इंटर मिलान को बराबरी पर ला दिया और फिर डिएगो गोडिन ने ५१वें मिनट में गोल करके मिलान को आगे कर दिया। इसके बाद लौटरो मार्टिनेज ने ६१वें मिनट में मिलान का तीसरा गोल करके उसके टोरिनो पर ३–१ की जीत दिला दी। इस जीत से इंटर मिलान की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और उसके ६८ अंक हो गए हैं। लाजियो के भी ६८ अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में मिलान से पीछे है।

एसबीआई लागत घटाने, श्रमशक्ति की कुशलता बढ़ाने पर ध्यान देगा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन रजनीश कुमार ने आज कहा कि बैंक लागत घटाने, युक्तिकरण, और अपनी श्रमशक्ति की कुशलता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। बैंक की ६५वीं वार्षिक आम सभा की बैठक(एजीएम) में कुमार ने कहा, लागत घटाने, युक्तिकरण, और श्रमशक्ति की कुशलता बढ़ाने, स्टाफ की उत्पादकता बढ़ाने, और प्रशासनिक कार्यालयों से श्रमशक्ति को सेल्स की भूमिका में तैनाती पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक उभरते संकट पर लगातार नजर रखेगा और अपने उपभोक्ताओं की मदद के लिए तथा संपत्ति गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आगे बढ़कर कदम उठाएगा। कुमार ने शेयरधारकों से कहा कि साथ ही बैंक किसी भी स्थान से काम करने

के लिए 'वर्क फ्रॉम एनीवेयर' (डब्ल्यूएफए) अवसंरचना भी स्थापित करेगा, और कामकाजी जीवन के संतुलन के सामाजिक पक्षों का ख्याल रखा जाएगा। इस कदम से लागत घटाकर १,००० करोड़ रुपये बचाए जा सकते हैं और कोविड–१६ संकट के दौरान यह बैंक कारोबार की निरंतरता के लिए एक प्रमुख उपकरण होगा। चेयरमैन ने एमएसएमई सेगमेंट पर बैंक के जोर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पैकेज द्वारा एमएसएमई के लिए पैदा किए गए अवसरों की तर्ज पर बैंक ने माइक्रो मार्केट में मूल्य डालने के लिए एक 'फायनेंशियल इनक्लूसन एंड माइक्रो मार्केट' स्थापित किया है, जिसका बिजनेस मॉडल लागत प्रभावी है। बैंक में एसएमई रीवैंप पहले से प्रक्रिया में है।

रुपया 23 पैसे टूटा

मुंबई। वैश्विक स्तर पर दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही तेजी के साथ ही

घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में हुयी करीब दो फीसदी की गिरावट के दबाव में मंगलवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया २३ पैसे फिसलकर ७५.४२ रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपया ७५.१६ रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज १४पैसे की गिरावट लेकर ७५.३३ रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के शुरूआत में ही यह ७५.२८ रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसके बाद शेयर बाजार में शुरू हुयी बिकवाली के साथ ही अमेरिकी मुद्रा में रही तेजी के दबाव में यह ७५.४६ रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक फिसला। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में २३ पैसे टूटकर ७५.४२ रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

कमजोर संकेतों से टूटा बाजार

मुंबई। विदेशी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से घरेलू शेयर बाजार में आज फिर बिकवाली का दबाव बढ़ गया, जिससे प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स ३०० अंकों से ज्यादा टूटा और निफ्टी में भी १०० अंकों से ज्यादा की गिरावट आई। आरंभिक कारोबार के दौरान सुबह ६.५८ बजे सेंसेक्स पिछले सत्र से २६६.१६ अंकों यानी ०.८२ फीसदी की गिरावट के साथ ३६,३६४.१६ पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी ८८.२५ अंक यानी ०.८२ फीसदी फिसलकर १०७१४.४५ पर बना हुआ था। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के ३० शेयरों पर आधारित प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स पिछले सत्र के मुकाबले १७६.४१ अंकों की गिरावट के साथ ३६५१७.२८ पर खुला और आरंभिक कारोबार के दौरान ३६३३१.३३ तक टूटा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के ३० शेयरों पर आधारित प्रमुख संवेदी सूचकांक निफ्टी पिछले सत्र के मुकाबले

५१.८५ अंक फिसलकर १०७५०.८५ पर खुला और १०६६७.८० तक टूटा। बाजार के जानकार बताते हैं कि कोरोना के प्रकोप के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर की चिंता बनी हुई है जिससे बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। बीते सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए थे।

पेट्रोल, डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। डीजल के दाम में लगातार दो दिनों से जारी वृद्धि पर एक बार फिर ब्रेक लग गया है। तेल कंपनियों ने आज डीजल और पेट्रोल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पेट्रोल की कीमत में लगातार १५वें दिन स्थिरता बनी रही। उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में लगातार तीसरे सत्र में नरमी जारी है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में डीजल की कीमत पूर्ववत क्रमशः ८१.०५ रुपये, ७६.१७ रुपये, ७६.२७ रुपये और ७८.११ रुपये प्रति लीटर पर बनी रही। पेट्रोल का भाव भी चारों महानगरों में बिना किसी बदलाव के क्रमशः ८०.४३ रुपये, ८२.१० रुपये, ८७.१६ रुपये

और ८३.६३ रुपये प्रति लीटर बना हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पेट्रोल के मुकाबले डीजल ६२ पैसे प्रति लीटर उंचे भाव पर मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटर कांटिनेंटल एक्सचेंज(आईसीई) पर बेंचमार्क कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड के सितंबर वायदा अनुबंध में मंगलवार को पिछले सत्र से १.४० फीसदी की कमजोरी के साथ ४२.१२ डलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। वहींए न्यूयार्क मर्के टाइल एक्सचेंज (नायमैक्स)पर अमेरिकी लाइट क्रूड वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) के अगस्त वायदा अनुबंध में पिछले सत्र से १.६२ फीसदी की कमजोरी के साथ ३६.४५ डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था।

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री में ५० फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। कोरोनावायरस संकट के कारण हुए आर्थिक पहलु पर नकारात्मक असर के चलते घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री पिछले साल के जून की तुलना में इस साल के जून में आधी हो हुई। जहां जून २०२० में भारत में कुल १,०५,६१७ यात्री वाहन बेचे गए वहीं २०१६ में इसी दौरान २,०६,५२२ वाहनों की बिक्री हुई थी। जो कि पिछले साल की तुलना में इस साल ४६.५६ प्रतिशत कम रही। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स (एसआईएएम) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कारों की बिक्री पिछले महीने ५७.६८ प्रतिशत घटकर ५५,४६७ यूनिट रह गई थी, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में १,३२,०७७

यूनिट की बिक्री हुई थी। एक तकनीकी फुटनोट में एसआईएएम ने कहा है कि इस डेटा में कुछ प्रमुख कंपनियों जैसे टाटा मोटर्स के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

रियलमी ने लॉन्च किया सी११, कीमत ७४६६ रु.

नई दिल्ली। चीनी स्मार्टफोन निर्माण कंपनी रियलमी ने आज ५,००० एमएएच बैटरी और मीडियाटेक हेलियो जी३५ प्रोसेसर

के साथ अपने बजट फोन रियलमी सी११ को ७,४६६ रुपये में भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन ६.५–इंच एचडी प्लस मिनी–ड्रॉप फुलस्क्रीन डिस्प्ले से लैस है, जिसके साथ यह २०:६ स्क्रीन आस्पेक्ट रेशियो प्रदान करता है। रियलमी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और उपाध्यक्ष माधव सेठ ने अपने एक बयान में कहा, "हमारे पास वर्तमान में दुनिया भर में रियलमी सी सीरीज के १३० लाख यूजर्स हैं और हमें यकीन है कि रियलमी सी ११ नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में हमारी मदद करेगा। यह स्मार्टफोन २२ जुलाई से रियलमी डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट डॉट कॉम और चुनिंदा पार्टनर स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। डिवाइस में १३एमपी एआई ड्यूल कैमरा है जो इस श्रेणी में पहला सुपर नाइटस्केप मोड पेश करता है। यह स्मार्टफोन एंड्रइड १० पर आधारित रियल मी यूआई पर चलता है और इसमें ३२जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ २जीबी रैम उपलब्ध है। इसके अलावा, स्मार्टफोन निर्माता द्वारा १,६६६ रुपये की कीमत में ३०वाट डार्ट चार्ज १००००एमएएच पावर बैंक भी लॉन्च किया गया है।

ब्लैकवुड को शतक नहीं पूरा कर पाने का मलाल नहीं

साउथैम्पटन। पहले टेस्ट में इंग्लैंड पर वेस्टइंडीज की शानदार जीत के नायक रहे जर्मेन ब्लैकवुड को शतक नहीं पूरा कर पाने का मलाल नहीं बल्कि अपनी टीम को जीत दिलाकर नहीं लौट पाने का मलाल है। ब्लैकवुड ने दूसरी पारी में ६५ रनों की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर विंडीज ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में १–० की लीड ले ली है। ब्लैकवुड शतक के करीब पहुंचकर जेम्स एंडरसन की गेंद पर मिडऑफ पर बेन स्टोक्स को कैच दे बैठे थे। उस समय टीम को जीत के लिए ११ रनों की दरकार थी। जमैका ऑब्जर्वर ने ब्लैकवुड के हवाले से लिखा है, वह निराशा का पल था। मैं खुद से निराश था। मुझे ऐसे वक्त पर अपना विकेट नहीं देना चाहिए था। आउट हुआ तो मेरे लिए वह काफी इमोशनल पल था।

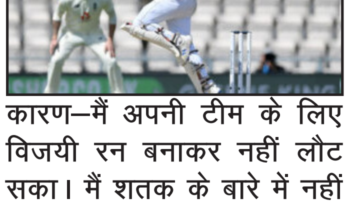

कारण–मैं अपनी टीम के लिए विजयी रन बनाकर नहीं लौट सका। मैं शतक के बारे में नहीं सोच रहा था। मेरे मन में सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाने का ख्याल था। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच गुरुवार से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला महिला का शव, शक की सुई पति पर अटकी

लखनऊ। चिनहट स्थित गोयल हाइट्स अपार्टमेंट टावर छह में रहने वाले अखण्ड प्रताप सिंह की पत्नी दिव्या का शव मंगलवार को उनके कमरे के भीतर पड़ा मिला। दिव्या की गला कसकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। कमरे के भीतर सारा सामान बिखरा मिला। एसीपी विभूतिखंड स्वतंत्र कुमार के मुताबिक लूट की बात अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। एसीपी ने बताया कि मूलरूप से बहादुरपुरा, वजीरगंज, गोंडा निवासी अखंड प्रताप सध्ि यहां अपनी पत्नी दिव्या व बेटे के साथ रहते थे। अखण्ड के मुताबिक मंगलवार को वह बाराबंकी के लिए निकले थे। अपार्टमेंट से निकलने के बाद उन्हें याद आया कि वह एटीएम कार्ड घर में ही भूल गए हैं। वापस वह फ्लैट में लौटे तो कमरे का दरवाजा खुला था। भीतर जाकर देखा तो दिव्या फर्श पर बेसुध पड़ी थी। वहीं कमरे में सारा सामान बिखरा मिला। चार साल का बेटा गुमसुम पड़ा था। अखण्ड ने डायल ११२ पर फोन कर पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने छानबीन की तो सीसी फुटेज में फ्लैट के भीतर कोई व्यक्ति प्रवेश करता नजर नहीं आया। पुलिस का कहना है कि पति पत्नी में आए दिन विवाद होता था। अखण्ड का बेटा इस बाबत कुछ बोल नहीं पा रहा है। दिव्या मूलरूप से बस्ती की रहने वाली थी अखण्ड सौभाग्य योजना में लाइट लगाने का काम करता था। पिछले तीन माह से वह कोई काम नहीं कर रहा था। पूछताछ में अखण्ड ने बताया कि पिछले तीन माह से वह फ्लैट का किराया भी नहीं दे पाया है। उसने कई लोगों से कर्ज ले रखा है। अखण्ड के फोन में एक महिला का नम्बर भी मिला है, जिसके आधार पर पुलिस छानबीन कर रही है।

पुलिस को विकास दुबे के घर से मिली एके–४७ : प्रशांत कुमार

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर के चौबेपुर क्षेत्र में पिछली दो–तीन जुलाई की रात बिकरू गांव में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या में एके–४७ और इंसास रायफल जैसे अत्याधुनिक हथियारों का प्रयोग किया गया था। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को बताया कि दुर्दांत हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के घर की तलाशी के दौरान पुलिस को एके–४७ समेत अन्य अत्याधुनिक हथियारों का जखीरा मिला है जबकि घटना में शामिल ५० हजार रूपये के इनामी बदमाश शशिकांत के घर से पुलिस ने लूटी गयी इंसास रायफल बरामद की गयी है। शशिकांत को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने बताया कि विकास और उसके साथियों ने दो–तीन जुलाई की रात दबिश देने गयी पुलिस टीम पर योजनाबद्ध तरीके से हमला किया था और इसमें घातक हथियारों का प्रयोग किया गया था। इस हमले में मृत पुलिसकर्मियों के हथियार भी बदमाशों ने लूट लिए थे। कुमार ने बताया कि इस मामले में २१ नामजद अभियुक्तों में अब तक चार को गिरफ्तार किया गया है जबकि विकास दुबे समेत छह आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं। अन्य के भी जल्द पकड़े जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि हत्या की जघन्य वारदात की रात कौन–कौन से पुलिस के कर्मचारी अपराधियों के संपर्क में थे। इस पुर पुलिस की कड़ी नजर है। विकास दुबे के संपर्क में रहने वाले किसी भी अधिकारी, पुलिसकर्मी अथवा अन्य को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि विकास दुबे ने गिरोह के सदस्यों से पुलिसकर्मियों से लूटे गये हथियार और गोला बारूद अपने घर में छिपाने को कहा था।

असम बाढ़ की स्थिति गंभीर, अबतक ५६ मौतें, ३३ लाख प्रभावित

गुवाहाटी। असम में मगलवार को बाढ़ की वजह से पांच जिलों में कम से कम नौ और लोगों की मौत हो गई, जिससे यहां बांढ़ में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर ५६ हो गई है। राज्य के ३३ में से २८ जिले बाढ़ ग्रस्त हैं और ३३ लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण(एसडीएमए) के अधिकारियों ने कहा कि बीते चार हफ्तों में बिश्वनाथ, तिनसुकिया, लखीमपुर, बनगाइगांव, कामरूप, गोलाघाट, शिवसागर, मोरीगांव, धुबरु, नगांव, नलबारी, बारपेटा, धेमाजी, उदलगुड़ी, गोलपारा और डिब्रूगढ़ जिलों में बाढ़ की वजह से ५६ लोगों की मौत हो गई है। वहीं २२ मई से अबतक विभिन्न भूस्खलनों में २६ लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को धुबरी और मोरीगांव में दो लोगों की डूबने से मौत हो गई, लेकिन इन मौतों का बाढ़ से कोई संबंध नहीं है। राज्य के १२ जिलों में ब्रह्मपुत्र समेत आठ नदियों में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। एएसडीएमए के अधिकारियों ने रपटों का हवाला देते हुए कहा कि इन जिलों के ३,३७१ गावों के ३३ लाख लोग प्रभावित हैं और २८ जिलों की १२८,४६५ हेक्टेयर षिभूमि भी इसकी चपेट में है।

लखनऊ के हज हाउस में कोरोना मरीजों ने किया हंगामा, इलाज न मिलने की शिकायत

लखनऊ। कोरोना के बढ़ते मरीजों से शहर के कोविड हॉस्पिटल फुल हो चुके हैं। ऐसे में, कुछ मरीजों को हज हाउस में भर्ती कराया गया है। जहां भर्ती कोरोना मरीजों ने उचित इलाज न मिलने की शिकायत करते हुए हंगामा किया। मरीजों का आरोप है कि २४ घंटे बीतने के बाद भी कोई डॉक्टर इलाज करने नहीं आया। वहीं, मरीजों की यह भी शिकायत है कि लगभग ५० मरीजों की निगरानी के लिए महज एक नर्सिंग स्टाफ लगाया गया। साथ ही यहां कोई डॉक्टर भी नहीं है और न ही उचित चिकित्सीय सुविधाएं मिल रहीं हैं। खाने व नाश्ते के लिए भी सुबह से मरीज तरस रहे हैं। हज हाउस में भर्ती राजकीय निर्माण निगम में इंजीनियर सुलव मुखर्जी ने मंगलवार को बताया कि वह ड्यूटी के दौरान कार्यालय में एक कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आ गए थे। तीन दिन पहले उन्होंने जांच कराई तो वह भी पॉजिटिव निकले। बीते सोमवार को उनको हज हाउस में भर्ती करा दिया गया। उन्होंने बताया कि यहां करीब ५० और मरीज भर्ती हैं। उनकी शिकायत है कि कल शाम को भर्ती करने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से किसी भी तरह का कोई इलाज नहीं दिया जा रहा है। ५० मरीजों के लिए केवल एक नर्सिंग स्टाफ रखा गया है। मरीजों के खाने–पीने की भी कोई व्यवस्था नहीं है। जिसे लेकर भर्ती मरीजों ने हंगामा किया। जिसके बाद मंगलवार को दिन में मरीजों खाना दिया गया।सुलव ने शिकायत की यहां बिजली की भी व्यवस्था ठीक नहीं है। पूरी रात बिजली भी नहीं थी जिससे सारे मरीज रात भर गर्मी से बेहाल, परेशान रहे।रामसागर मिश्रा अस्पताल बीकेटी व लोकबंधु अस्पताल फुल होने के बाद सोमवार को बिना लक्षण वाले मरीजों को हज हाउस भेजा गया। यहां पहुंचे लोगों का आरोप है कि हज हाउस में पानी पीने की व्यवस्था नहीं है। रात में बिजली जाने पर जनरेटर भी नहीं चलाया गया। वहीं, रात करीब १२ बजे एंबुलेंस से कुछ अन्य मरीज भी वहां पहुंचाए गए। मरीजों को आते देख पहले से मौजूद मरीजों ने हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि स्वास्थ्य विभाग की टीम यहां लगातार मरीजों को भेज रही है, लेकिन व्यवस्थाएं नहीं कर रही है। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने मरीजों को समझाकर शांत कराया।इस बाबत, एसीएमओ ड. केपी त्रिपाठी का कहना है कि हज हाउस में १००० मरीजों को भर्ती करने का इंतजाम किया गया है। मरीजों की संख्या के अनुसार वहां खाने से लेकर अन्य सभी तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। नौ डक्टरों की टीम लगाई गई है। एक शिफ्ट में तीन डॉक्टर हैं। डॉक्टरों के साथ चार अन्य कर्मचारी भी मौजूद हैं। मरीज अनायास ही आरोप लगा रहे हैं।

सूचना

प्राथमिक विद्यालय रानीपारा माल लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष **2020-21** शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु प्राथमिक विद्यालय रानीपारा माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा **1** से **8** तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक– **16-07-2020** से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– **20-07-2020** को समय प्रातः **10** बजे से **12** बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय रानीपारा माल
लखनऊ।

सूचना

बेसिक विद्यालय तिलन माल लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष **2020-21** शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय तिलन माल, लखनऊ हेतु अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा **1** से **8** तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई के टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक– **16-07-2020** से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– **20-07-2020** को समय प्रातः **10** बजे से **12** बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय तिलन
माल लखनऊ।

आलमबाग थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवक ने युवती संग किया यौनशोषण,

लखनऊ। आलमबाग थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक पर युवती ने शादी का झांसा देकर एक वर्ष तक यौनशोषण करने का आरोप लगाते हुए युवक के परिजनों पर मारपीट के दौरान सोने की चेन व मोबाइल फोन छीनने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने यौनशोषण, लूट, मारपीट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच कार्यवाही में जुटी है।आलमबाग थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली युवती ष्णा नगर थाना क्षेत्र के विराटनगर में रहती हैं। उसने अपने युवक मित्र अंकुर श्रीवास्तव निवासी कैलाशपुरी आलमबाग पर शादी का झांसा देकर एक वर्ष तक यौनशोषण करने का आरोप लगाया है। वहीं पीड़िता का आरोप है कि युवक पर शादी का दबाव बनाने पर युवक द्वारा बातचीत बंद होने पर जब वह अंकुर श्रीवास्तव के घर शिकायत करने पहुंची तो युवक की भाभी व पत्नी ने गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगी। इस मारपीट के दौरान युवक के परिजनों ने उसके गले में पड़ी सोने की चेन व मोबाइल फोन छीन लिया। वहीं पीड़िता ने युवक समेत उनके परिजनों के खिलाफ लिखित शिकायत की। पीड़िता की शिकायत पर धारा ३७६,१४७,३२३,५०६,३६२, के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अब साप्ताहिक बंदी पर खुलेंगे बाजार, शनिवार व रविवार को सब बंद

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण प्रसार की चेन तोड़ने के लिए सरकार ने मिनी लॉकडाउन के लिए जारी अपने आदेश में बड़ा संशोधन किया है। अब हर सप्ताह में ५५ घंटे के मिनी लॉकडाउन में सरकारी कार्यालय ही बंद रहेंगे, अन्य आवश्यक सेवा जारी रहेंगी, बैंक भी खुलेंगे। सभी बाजार, हाट या मार्केट अब अपनी साप्ताहिक बंदी में खुलेंगे, शनिवार व रविवार को सब बंद रहेगा। कोरोना संक्रमण और संचारी रोगों का प्रसार रोकने को लागू की गई साप्ताहिक बंदी की व्यवस्था के लिए शासन ने गाइडलाइन भी जारी कर दी है। इसमें स्पष्ट कर दिया है कि शनिवार और रविवार को हाट–बाजार तो पूरी तरह बंद रहेंगे, लेकिन आवश्यक सेवाओं के साथ ही दुकानें और फल व सब्जी मंडियां खुली रहेंगी। हां, पांच सामान्य दिनों के लिए दुकान–बाजार खोलने के लिए सुबह नौ से रात नौ बजे तक का समय निर्धारित कर दिया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यवस्था बनाई है कि प्रदेशभर में स्वच्छता और सैनिटाइजेशन का अभियान व्यापक स्तर पर लगातार चलाया जाए। इसके लिए शनिवार और रविवार को साप्ताहिक बंदी के निर्देश दिए हैं।

ईरान ने चाबहार प्रोजेक्ट से भारत को हटाया

तेहरान। ईरान ने भारत को चाबहार रेल परियोजना से बाहर कर दिया है। ईरान ने कहा है कि समझौते के चार साल बीत जाने के बाद भी भारत इस परियोजना के लिए फंड नहीं दे रहा है, इसलिए वह अब खुद ही चाबहार रेल परियोजना को पूरा करेगा। ईरान के इस ऐलान से भारत को बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। यह रेल परियोजना चाबहार पोर्ट से जहेदान के बीच बनाई जानी है। इसके पीछे भी चीन का हाथ माना जा रहा है।गौरतलब है कि ईरान और चीन के बीच चार सौ अरब डलर का एक बड़ा समझौता होने जा रहा है। पिछले सप्ताह ईरान के ट्रांसपोर्ट और शहरी विकास मंत्री मोहम्मद इस्लामी ने ६२८ किमी लंबे रेलवे ट्रैक को बनाने का उद्घाटन किया था। इस रेलवे लाइन को अफगानिस्तान के जरांज सीमा तक बढ़ाया जाना है। 'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरी परियोजना को मार्च २०२२ तक पूरा किया जाना है। ईरान के रेलवे ने कहा है कि वह बिना भारत की मदद के ही इस परियोजना पर आगे बढ़ेगा। इसके लिए वह ईरान के नेशनल डिवेलपमेंट फंड की ४० करोड़

डलर की धनराशि का इस्तेमाल करेगा। इससे पहले भारत की सरकारी रेलवे कंपनी इरकन इस परियोजना को पूरा करने वाली थी। यह परियोजना भारत के अफगानिस्तान और दूसरे मध्य एशियाई देशों तक एक वैकल्पिक मार्ग मुहैया कराने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए बनाई जानी थी। इसके लिए ईरान, भारत और अफगानिस्थान के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ था। वर्ष २०१६ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईरान यात्रा के दौरान चाबहार समझौते पर दस्तखत हुआ था। पूरी परियोजना पर करीब १.६ अरब डॉलर का निवेश होना था। इस परियोजना को पूरा करने के लिए इरकन के इंजीनियर ईरान गए भी थे लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों की चिंता से भारत ने रेल परियोजना पर काम को शुरू नहीं किया। अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह के लिए छूट दे रखी है लेकिन उपकरणों के सप्लायर नहीं मिल रहे हैं। गौरतलब है कि भारत पहले ही ईरान से तेल का आयात बहुत कम कर चुका है।

पाकिस्तान ने भारत को अफगान निर्यात के लिए वाघा सीमा खोली

वाघा सीम। पाकिस्तान सरकार ने अफगनिस्तान से वस्तुओं को भारत भेजने के लिए वाघा सीमा को फिर से खोलने का फैसला किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, अफगानिस्तान सरकार ने पारगमन व्यापार को फिर से शुरू करने का अनुरोध किया था। इसके बाद यह निर्णय लिया गया है। बयान में कहा गया है कि यह व्यापार कोविड–१६ प्रोटोकॉल के तहत किया जाएगा। बयान में कहा गया है, 'इस कदम के साथ, पाकिस्तान ने पाकिस्तान–अफगानिस्तान पारगमन व्यापार समझौते (एपीटीटीए) के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है। पाकिस्तान ने सभी सीमा टर्मिनल पर द्विपक्षीय व्यापार और अफगान पारगमन व्यापार को कोविड–१६ से पूर्व की स्थिति पर बहाल कर दिया है।' कोरोना वायरस के प्रसार के बाद पाकिस्तान ने मार्च में भारत सहित अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ सभी भूमि सीमा को बंद कर दिया था। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच २०१० के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत, वाघा सीमा के माध्यम से भारत को अफगान निर्यात की अनुमति है। हालांकि, समझौते के तहत पाकिस्तानी क्षेत्र के माध्यम से अफगानिस्तान में भारतीय निर्यात की अनुमति नहीं है। पाकिस्तान ने हाल ही में द्विपक्षीय व्यापार के लिए अफगानिस्तान के साथ अंगोर अड्डा बॉर्डर क्रासिंग को फिर से खोल दिया, जबकि खारलाची सीमा को भी यातायात के लिए खोल दिया गया। अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान के विशेष दूत मोहम्मद सादिक ने कहा, 'पाक–अफगान संबंधों का मुख्य आधार, व्यापार और सीमा के दोनों ओर के क्षेत्र की समृद्धि होना चाहिए। हम सीमा के दोनों ओर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कोविड ने हमें थोड़ा ६ ीमा कर दिया है लेकिन हमारी दिशा सही है।८ यह निर्णय

अफगान व्यापारियों के लिए एक राहत के रूप में आया है, जो पाकिस्तान पर कोरोना वायरस महामारी की आड़ में एकतरफा व्यापार लाभ लेने का आरोप लगाते रहे हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के कुछ विपक्षी दलों ने इमरान खान की अगुवाई वाली सरकार के निर्णय पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि श्भारत को भी लाभ पहुंचाने वाला यह कदम उस दिन क्यों उठाया गया जब देश श्भारतीय अत्याचारश् के मुकाबले में लड़ने वाले कश्मीरियों की याद में कश्मीर शहीद दिवस मना रहा है। यह फैसला लेने से पहले विपक्ष को विश्वास में लिया जाना चाहिए था।

भारत–चीन के बीच पैंगोग झील, देपसांग से सैनिकों को हटाने पर बात

नई दिल्ली। भारत और चीन के सैन्य प्रतिनिधियों ने पूर्वी लद्दाख में सीमाओं पर से सैनिकों को पीछे हटाने और मैटेरियल हटाने के संबंध में मंगलवार को वार्ता की। बैठक में भारतीय प्रतिनिधियों का मुख्य एजेंडा पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील और देपसांग क्षेत्रों से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के टैंक, तोपखाने और अतिरिक्त बल को हटाने के बारे मेंहै। बैठक १४ कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और दक्षिण शिनजियांग मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट के प्रमुख मेजर जनरल लियू लिन के बीच ६ जून को पूर्वी लद्दाख में चुशुल–मोल्दो सीमा पर सैन्यकर्मियों की बैठक (बीपीएम) बिंदु पर आयोजित बैठक की तर्ज पर हो रही है। प्रतिनिधियों के बीच यह चौथी बैठक है। तीसरी ऐसी बैठक लगभग १२ घंटे तक चली थी। दोनों देश सीमावर्ती क्षेत्रों में तनावपूर्ण स्थिति को कम करने के लिए सैन्य और राजनयिक विचार–विमर्श में लगे हुए हैं। शुक्रवार को दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच कूटनीतिक बैठक हुई थी। भारत–चीन सीमा मामलों (डब्ल्यूएमसीसी) पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य प्रणाली तंत्र की बैठक १० जुलाई को हुई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) ने किया था, जबकि चीनी विदेश मंत्रालय के सीमा एवं महासागरीय विभाग के महानिदेशक ने चीनी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की थी। गौरतलब है कि १५ जून को गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प में २० भारतीय जवान शहीद हो गए थे। अज्ञात संख्या में चीनी सैनिक भी मारे गए थे।

दो घंटे पहले विदा होकर आई विवाहिता की ससुराल में मौत

लखनऊ। नगोहां थाना इलाके में मंगलवार को मायके से दो घंटे पहले ही विदा होकर ससुराल पहुंची विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला के देवर की सूचना पर ससुराल वाले पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मृतका के भाई ने दहेज की मांग को लेकर पति, जेठ, जेठानी, सास पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। निगोहां थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया है।निगोहां के हरिहरपुर पटसा निवासी अलखराज के मुताबिक उन्होंने १२ अप्रैल २०१८ को अपनी बहन शांति (२२) का विवाह सुनील कुमार निवासी काटा करौदी से किया था। शादी के कुछ महीनों बाद दहेज में बाइक की मांग को लेकर ससुरालीजन शांति को प्रताड़ित करने लगे। जिसके बाद शांति कुछ दिन पहले घर आ गई थी। भाई अलखराज ने बताया मंगलवार सुबह आठ बजे के करीब मां बुद्धेश्वरी, बहन शांति को समझा बुझाकर बैरीसालपुर क्रासिंग तक छोड़ने गईं, जिसके बाद वहां से शांति अपने पति सुनील के साथ ससुराल चली गयी। थोड़ी देर बाद लुधियाना में नौकरी करने वाले देवर छोटू ने फोन कर शांति की मौत की सूचना दी। शांति के भाई का आरोप है मौके पर पहुंचकर मौत का कारण जानने की कोशिश की तो पति सहित ससुरालीजनों ने कुछ नही बताया। जिसके बाद उसने फोन कर निगोहां पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर निगोहां के मुताबिक शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।मृतका के भाई अलखराज ने उनके पति सुनील, जेठ गोपाल, जेठानी, सास के खिलाफ दहेज की मांग को लेकर बहन की हत्या का आरोप लगाते हुये मामला दर्ज कराया।

अमिताभ बच्चन,अभिषेक बच्चन पर इलाज का अच्छा असर हो रहा है : अस्पताल सूत्र

मुंबई। कोविड–१९ की जांच में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद यहां के एक अस्पताल में भर्ती बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन पर इलाज का अच्छा असर देखने को मिल रहा है। अस्पताल के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमिताभ और अभिषेक ने ११ जुलाई को खुद के संक्रमित होने की जानकारी ट्विटर पर यह कहते हुए दी थी कि वे नानावती अस्पताल के पृथक वार्ड में भर्ती हैं। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया, दोनों की हालत स्थिर है और उनपर इलाज का असर हो रहा है। उन्हें कम से कम सात दिन के लिए अस्पताल में रहना होगा। पिता–पुत्र के अलावा, अमिताभ की बहू व अभिनेत्री ऐश्वर्या राय और उनकी आठ साल की पोती आराध्या बच्चन भी कोविड–१९ की जांच में संक्रमित पाई गई हैं।

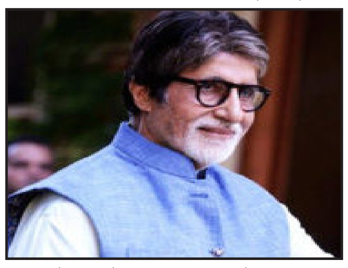

अभिषेक ने रविवार को ट्विटर पर ऐश्वर्या और आराध्या के संक्रमित होने की जानकारी दी और कहा कि वे घर पर ही खुद को पृथक रखेंगी। सोमवार की रात, अमिताभ ने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों को उनके प्रेम भरे संदेशों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने ट्वीट किया, आपकी प्रार्थनाओं, सद्भावनाओं की मूसलाधार बारिश ने स्नेह रूपी बंधन का बांध तोड़ दिया है। इस अपार प्यार ने मुझे तर कर दिया। मेरे एकाकीपन के अंधेरे को जिस तरह से आपने दूर कर दिया है उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, मैं आपके सामने नतमस्तक हूं। अभिनेता में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उनके बंगले के २६ कर्मचारियों की भी कोविड–१९ के लिए जांच की गई थी। सोमवार को, सहायक नगर आयुक्त विश्वास मोटे ने कहा कि सभी कर्मचारियों की जांच रिपोर्ट में संक्रमण नहीं होने की पुष्टि हुई है।

सारा अली खान का चालक कोरोना वायरस से संक्रमित

मुम्बई। अदाकारा सारा अली खान ने मंगलवार को कहा कि उनका चालक कोरोना वायरस से संक्रमित हो गया है। वहीं, कोविड–१९ की जांच में उनके और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई है। सारा अपनी मां एवं अभिनेत्री अमृता सिंह और भाई इब्राहिम के साथ रहती हैं। अदाकारा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि उनका परिवार और घरेलू सहायक सभी जरूरी एहतियात बरत रहे हैं। सारा ने कहा, मैं आपको बताना चाहूंगी कि हमारे चालक के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) को इसकी तुरंत जानकारी

दी गई और उन्हें (चालक को) पृथक केन्द्र भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, जांच में मेरे परिवार, घर में मौजूद सभी अन्य घरेलू सहायकों के संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई है और हम सभी जरूरी एहतियात बरतेंगे। मेरे और मेरे परिवार की तरफ से मदद एवं मार्गदर्शन के लिए बीएमसी का शुक्रिया। सभी सुरक्षित रहें। सारा और इब्राहिम को हाल ही में अपने पिता एवं अभिनेता सैफ अली खान के घर पर भी देखा गया था। बीएमसी के अनुसार मुम्बई में सोमवार को कोविड–१९ के १,१७४ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के मामले बढ़कर ९३,८९४ हो गए थे। वहीं ४७ और लोगों की जान जाने के बाद इससे मरने वालों की संख्या ५,३३२ हो गई।

बीमारियों को दूर रखता है करेला

करेला खाने के इन फायदों के बारे में कम ही लोग जानते हैं। इन्हें जानने के बाद आप सिर्फ करेले के टेस्ट के लिए ही नहीं बल्कि इसके गुणों के कारण भी इसका सेवन करेंगे। स्वाद में कड़वा और कसैला करेला चपाती के साथ खाने में बहुत ही स्वादिष्ट लगता है। करेले की सब्जी बनाना भी अपने आपमें एक कला है। खास बात यह है कि करेले को जिस प्रकार से और जिन मसालों के साथ बनाया जाता है, उन्हीं के अनुरूप इसका स्वाद और गुण घट या बढ़ जाते हैं... गुणों की खान है करेला–करेला एक ऐसी सब्जी है, जिसे पसंद और नापसंद करनेवाले लोगों की संख्या लगभग बराबर होगी। लेकिन इस बात को सभी मानते हैं कि पेट से लेकर दिमाग तक शरीर के हर अर्गन को फिट रखने में करेला मदद करता है। यहां तक कि दिल की धड़कनों के लिए भी इसका सेवन लाभकारी है। करेला ऐंटिबायटिक और ऐंटिवायरल गुणों से भरपूर होता है। इसमें विटमिन–सी और विटमिन–ए भी पाया जाता है। विटमिन–सी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है तो विटमिन–ए आंखों की रोशनी को बनाए रखने का काम करता है। सिरदर्द और सिर में भारीपन जैसी आम समस्या को दूर करने में करेले की सब्जी बहुत अधिक लाभकारी है। जो

लोग अपने भोजन में करेले का उचित मात्रा में उपयोग करते हैं, उन्हें सिरदर्द जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है। अगर किसी को जॉइंट्स पेन की समस्या रहती है तो उन्हें भी करेले का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। यह जोड़ों के दर्द में खासतौर से घुटने के दर्द में राहत देने का काम करता है। मितली आने की समस्या, बार–बार पेट खराब होना, पेट अफरना, पेट में गैस बनना, बदहजमी होना, खट्टी डकार आना और पेट में कीड़े होना जैसी कई समस्याओं का समाधान कुछ दिन लगातार एक समय करेले की सब्जी खाकर किया जा सकता है। यदि किसी को चोट लगने के कारण अधिक गहरा घाव हो गया हो तो उन्हें अपनी नियमित डायट में कम से कम एक समय करेला जरूर खाना चाहिए। इससे आपको घाव जल्दी भरने में मदद मिलेगी। साथ ही घाव में किसी तरह का इंफेक्शन भी नहीं पनप पाएगा। बहुत स्वादिष्ट हैं ये ५ फल, शरीर में पूरी करते हैं विटामिन–ए की कमी। कम ही लोगों को यह बात पता होती है कि अगर आपके पेट में गर्मी होने की शिकायत या एसिडिटी की शिकायत रहती है या फिर आपको कब्ज की दिक्कत हो अक्सर तभी मुंह में छाले होने की समस्या होती है। ऐसे में यदि पेट की गर्मी और कब्ज को शांत करने के लिए आप करेले का सेवन करेंगे तब भी आपके मुंह के छाले (डवनजी ैवतम) ठीक हो जाएंगे। अगर कभी सिर्फ मुंह में छाले होने की स्थिति में आप करेले की सब्जी खाएंगे तब भी आप करेले की सब्जी के लाभ समझ पाएंगे।

बादाम हो सकता है इम्युनिटी बढ़ाने में कारगर

इन दिनों वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड–१९) से बचने को लेकर जब लोग अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाने को लेकर तरह–तरह का प्रयास कर रहे हैं वहीं विशेषज्ञों

की राय में बादाम का सेवन इसमें कारगर एवं अहम भूमिका निभा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक आपकी डाइट में छोटे लेकिन असरदार बदलाव करने से संपूर्ण स्वास्थ्य के निर्माण और आपके योग की दिनचर्या मे बड़ी मदद मिल सकती है। आपके आहार में कुछ बादाम शामिल करना एक अच्छा तरीका हो सकता है क्योंकि यह एक पौष्टिक स्नैक्स का विकल्प है और उन्हें नियमित रुप से खाना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसके साथ ही बादाम में कई प्रकार के पोषक तत्व जैसे विटामिन बी२, मैग्नेशियम, फॉस्फोरस प्रचुर मात्रा में होते हैं जिससे एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में मदद मिल सकती है। एक स्वस्थ जीवनशैली जीने के महत्व पर बात करते हुए जानीमानी बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा, योग मेरी सबसे पसंदीदा एक्सरसाइज है क्योंकि इसका शरीर के साथ ही दिमाग पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मेरी योग दिनचर्या को पूरक बनाने के लिए मैं एक हेल्दी डाइट भी लेती हूँ और ध्यान रखती हूं कि हर दिन कुछ बादाम जरूर खाउं। बादाम को सात्विक आहार माना जाता है और यह प्रोटीन, विटामिन ई, मैग्नेशियम इत्यादि जैसे १५ प्रमुख पोषक तत्वों का स्रोत है। इसके अलावा बादाम ऊर्जा प्रदान करते हैं और आयुर्वेद के अनुसार इससे शरीर के सभी ऊतकों की टोनिंग में मदद होती है। फिटनेस के साथ सेहतमंद आहार को शामिल करने पर जोर देते हुए फिटनेस शौकीन और सुपर मडल मिलिंद सोमण ने कहा, योग की शक्ति में मेरा पूरा विश्वास है और मैं इसे मेरी गतिविधि का एक हिस्सा बनाता हूँ।

अभिनेत्री निवेथा थॉमस ने गाया 'आफरीन'

हैदराबाद। अभिनेत्री निवेथा थॉमस ने सदाबहार गीत 'आफरीन' की कुछ पंक्तियां गाई है और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा किया है। निवेथा ने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह कोक स्टूडियो पर राहत फतेह अली खान और मोमिना मुस्तहसन द्वारा गाए गए गाने को गा रही हैं। उन्होंने लिखा, "गाने का प्रयास..'आफरीन'। उनकी इस पोस्ट को ८.५ हजार लाइक्स मिले हैं। पिछले महीने ही निवेथा ने तेलुगू सिनेमा में चार साल पूरे किए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि वह हमेशा सिनेमा की एक समर्पित छात्रा बनी रहेंगी। निवेथा ने २०१६ में एक्शन–थ्रिलर 'जेंटलमैन' के साथ अपना तेलुगू डेब्यू किया

था। उसके बाद उन्हें कई तेलुगू फिल्मों में देखा गया। वर्तमान में वह 'वी' की रिलीज की प्रतीक्षा कर रही हैं, जो मोहन कृष्णा इंद्रगांती द्वारा निर्देशित एक एक्शन थ्रिलर है।

झाड़ू पोछा बिल्कुल सही वर्कआउट है : श्रुति हासन

मुंबई। अभिनेत्री श्रुति हासन का मानना है कि झाड़ू और पोछा लगाना वर्कआउट करने का एक बेहतर तरीका है। श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक वीडियो क्लिप साझा किया है जिसके साथ वह लिखती

हैं, झाड़ू पोछा दो लेवल के लिए एक सही कसरत है। इस क्लिप में श्रुति मजेदार चेहरे बनाते हुए नजर आ रही हैं। अभिनय की बात करें तो उनकी फिल्म 'यारा' जल्द ही एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में विद्युत जामवाल, अमित साध, विजय वर्मा, केनी बासुमतरी और संजय मिश्रा जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म ३० जुलाई को फ्रेंडशिप डे के दिन रिलीज होगी। यह एक क्राइम ड्रामा है जो चार कुख्यात अपराधियों के बीच सच्ची दोस्ती की कहानी पर आधारित है।

'हैना' का तीसरा सीजन आएगा

लॉस एंजेलिस। ब्रिटिश अभिनेत्री एस्मे क्रीड–माइल्स अभिनीत एक्शन ड्रामा सीरीज 'हैना' के दूसरे सीजन के प्रीमियर को कुछ है। ब्रिटिश लेखक–निमार्ता डेविड फर, जिन्होंने मूल फीचर फिल्म का सह–लेखन किया था, ने दूसरे सीजन के दो एपिसोड का निर्देशन

हफ्ते ही हुए हैं, अब इसके तीसरे सीजन को लेकर चर्चा जोरों पर है। शो जो राइट की २०११ की इसी नाम की फिल्म की कहानी से एक नई दुनिया को दर्शाता किया है। डेविड फर ने कहा, "मैं 'हैना' का तीसरा सीजन लाने को लेकर रोमांचित हूं। तीसरे सीजन की कहानी को फर लिखेंगे।

प्रियंका ने महिलाओं के बिजनेस को सपोर्ट करने की अपील की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने कोरोना संकट काल में महिलाओं के बिजनेस को सपोर्ट करने की लोगों से अपील की है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम एक वीडियो शेयर कर महिलाओं को प्रेरित करके चलने वाले बिजनेस को सपोर्ट करने की अपील की है। उनका कहना है कि कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। यहां तक कि छोटे बिजनेस को भी। बिजनेस के ठप पड़ने और हार्डवर्क करने वाले कर्मचारियों को देख कर मुझे काफी तकलीफ हुई है। लेकिन मैं महिलाओं से जुड़े कुछ छोटे बिजनेस का समर्थन करके एक छोटी सी शुरुआत करती हूं ताकि उनकी गाड़ी दोबारा पटरी पर लौट सके। प्रियंका ने कहा, हम सभी हमेशा अपना बेस्ट देकर आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। फिलहाल कोरोना से दुनिया प्रभावित है। इसलिए जरूरी है कि इस समय सभी एक–दूसरे के साथ मजबूती से खड़े रहें। मैंने एक छोटी सी पहल की शुरुआत की है। मैंने उनकी प्रोफाइल मेरे इंस्टाग्राम स्टोरी में साझा की हैं।

कृपया उनका समर्थन करें। उन्हें फॉलो करें या खरीददारी करें। जो कुछ भी आप मदद कर सकते हैं। यदि आप भी किसी ऐसे बिजनेस को जानते हैं जिसको सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत है तो उसे कमेंट बॉक्स में टैग करें। मुझे उसके बारे में बताए और मैं उनमें से कुछ साझा करने का प्रयास करूंगी। मैं आप सभी से गुजारिश करती हूं, आप जो भी मदद कर सके उसके लिए आगे आए।

शरीर को नींद नहीं, आराम दें

आप सोने किस वक्त जाते हैं, यह तो आपके लाइफ स्टाइल पर निर्भर करता है, लेकिन महत्व इस बात का है कि आपको कितने घंटे की नींद की जरूरत है। अकसर कहा जाता है कि दिन में आठ घंटे की नींद लेनी ही चाहिए। आपके शरीर को जिस चीज की जरूरत है, वह नींद नहीं है, वह आराम है। अगर आप पूरे दिन अपने शरीर को आराम दें, अगर आपका काम, आपकी एक्सरसाइज सब कुछ आपके लिए एक आराम की तरह हैं तो अपने आप आपकी नींद के घंटे कम हो जाएंगे। लोग हर चीज तनाव में करना चाहते हैं। मैंने देखा है कि लोग पार्क में टहलते वक्त भी तनाव में होते हैं। अब इस तरह का व्यायाम तो आपको फायदे की बजाय नुकसान ही करेगा, क्योंकि आप हर चीज को इस तरह से ले रहे हैं जैसे कोई जंग लड़ रहे हों। आप आराम के साथ क्यों नहीं टहलते? चाहे टहलना हो या जगिंग, उसे पूरी मस्ती और आराम के साथ क्यों नहीं कर सकते? तो सवाल घूमफिर कर वही आता है कि मेरे शरीर को कितनी नींद की जरूरत है? यह इस बात पर निर्भर है कि आप किस तरह का शारीरिक श्रम करते हैं। आपको न तो भोजन की मात्रा तय करने की जरूरत है और न ही नींद के घंटे। मुझे इतनी कैलरी ही लेनी है, मुझे इतने घंटे की नींद ही लेनी है, जीवन जीने के लिए ये सब बेकार की बातें हैं। आज आप जो शारीरिक श्रम कर रहे हैं, उसका स्तर कम है, तो आप कम खाएं। कल अगर आपको ज्यादा काम करना है तो आप ज्यादा खाएं। नींद के साथ भी ऐसा ही है। जिस वक्त आपके शरीर को पूरा आराम मिल जाएगा, यह उठ जाएगा चाहे सुबह के ३ बजे हों या ८। आपका शरीर अलार्म की घंटी बजने पर नहीं उठना चाहिए। एक बार अगर शरीर आराम कर ले तो उसे खुद ही जग जाना चाहिए।

मॉनसून में बच्चों की आंखों को संक्रमण से ऐसे बचाएं

बारिश के मौसम में हम स्ट्रीट फूड से परहेज करने या बारिश में भीगने जैसी सावधानियां तो बरतते हैं, लेकिन इस दौरान अपनी आंखों को भूल जाते हैं। जबकि मॉनसून अपने साथ आर्द्रता लाता है, जो आंखों के संक्रमण का मुख्य कारण है। आंखों को लेकर यह लापरवाही बच्चों के मामले में ज्यादा खतरनाक होती है। बच्चों में वयस्कों की तुलना में कम प्रतिरक्षा होने के कारण उनमें संक्रमण होने का खतरा अधिक होता है। बच्चों में आंखों में होने वाले कुछ सामान्य संक्रमणों में कंजेक्टिवायटिस, स्टाय और आंखों की एलर्जी शामिल हैं। हालांकि इन संक्रमणों के पीछे कई कारण हैं, जिनमें बैक्टीरिया या वायरल संक्रमण जैसे सामान्य सर्दी, फ्लू या यहां तक कि आंखों को बार–बार रगड़ना भी शामिल हैं। इसे लेकर अभिभावकों को खासा

सावधानी बरतनी चाहिए और बच्चों को समझाने की कोशिश भी करनी चाहिए। बच्चे अनजाने में कई तरह की चीजों को छूते हैं और फिर अपने चेहरे को छूते हैं। इससे भी आंखों में संक्रमण होता है। लिहाजा माता–पिता अपने बच्चों को बार–बार हाथ धोना सिखाएं। बच्चों में आंखों के संक्रमण को रोकने का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उनकी हर साल नियमित तौर पर स्थानीय नेत्र विशेषज्ञ से जांच करवाएं। इससे न केवल आंख में किसी भी प्रकार की असामान्यता का पता लगाने में मदद मिलती है, बल्कि भविष्य में बच्चों को आंखों की परेशानी से बचाती है। कंजेक्टिवायटिस जैसे संचार वाले संक्रमण एक बच्चे से दूसरे में फैलते हैं। इसे लेकर सतर्क रहें और बच्चों को स्वच्छता का पालन करना सिखाएं। सार्वजनिक स्थानों, पार्क आदि से खेलकर लौटने पर उनके हाथ–मुंह साफ कराएं। सबसे जरूरी चीज यह है कि कोई भी समस्या होने पर विशेषज्ञ से सही उपचार कराएं। एंटीबायोटिक और ल्युब्रिकेंट वाले आई ड्रॉप उपचार में खासा मददगार हैं।

तांबे के बर्तन का पानी पीयें

तांबे के बैक्टीरिया–नाशक गुणों में मेडिकल साईंस बड़ी गहरी रुचि ले रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई प्रयोग हुए हैं और वैज्ञानिकों ने यह मालूम किया है कि पानी की अपनी याददाश्त होती है – यह हर उस चीज को याद रखता है जिसको यह छूता है। पानी की अपनी स्मरण–शक्ति होने के कारण हम इस बात पर ध्यान देते हैं कि उसको कैसे बर्तन में रखें। पहले सही तरह का खाना खाने की आदत डालें, तब उपवास की सोचें। अगर खाने की अपनी इच्छा को आप जबर्दस्ती रोकने की कोशिश करेंगे तो यह आपके शरीर को हानि पहुंचाएगा। अगर आप पानी को रात भर या कम–से–कम चार घंटे तक तांबे के बर्तन में रखें तो यह तांबे के

कुछ गुण अपने में समा लेता है। ताम्बे के बर्तन से पानी पीएं. यह पानी खास तौर पर आपके लीवर के लिए और आम तौर पर आपकी सेहत और शक्ति–स्फूर्ति के लिए उत्तम होता है। अगर पानी बड़ी तेजी के साथ पंप हो कर अनगिनत मोड़ों के चक्कर लगाकर लोहे या प्लास्टिक की पाइप के सहारे आपके घर तक पहुंचता है तो इन सब मोड़ों से रगड़ाते– टकराते गुजरने के कारण उसमें काफी दोष आ जाता है। लेकिन पानी में याद्दाश्त के साथ–साथ अपने मूल रूप में वापस पहुंच पाने की शक्ति भी होती है। अगर आप नल के इस पानी को एक घंटे तक बिना हिलाये–डुलाये रख देते हैं तो दोष अपने–आप खत्म हो जाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदा नगर आशियाना लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.
941508728. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@gmail.com
adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।